डायमण्ड कॉमिक्स

D-952-Rs.

फौलादी सिंह और कैक्टस क्वीन



फौलादी सिंह और वर्वीज

सम्पादक-
गुलशन राय-
कथानक-
महेश दत्त शर्मा
चित्रांकन:-
जुगल किशोर
कैलीग्राफी- मधुबाला.

डा० जॉन की प्रयोगशाला इस वक्त मशीनों के तेज स्वर से गूंज रही थी—

जर्रSS ईSSईS

फर्रSSS ईSSSईSS

अन्दर—

फौलाद! हमारी ये नई पिस्टल कब तक तैयार हो जाएगी?

जल्दी ही!

नई चमत्कारिक पिस्टल बनाने में जुटे थे दोनों—

पिस्टल की दुनिया में क्रांति ला देगी हमारी ये ऑल-परपज़ रवोज!

सचमुच!

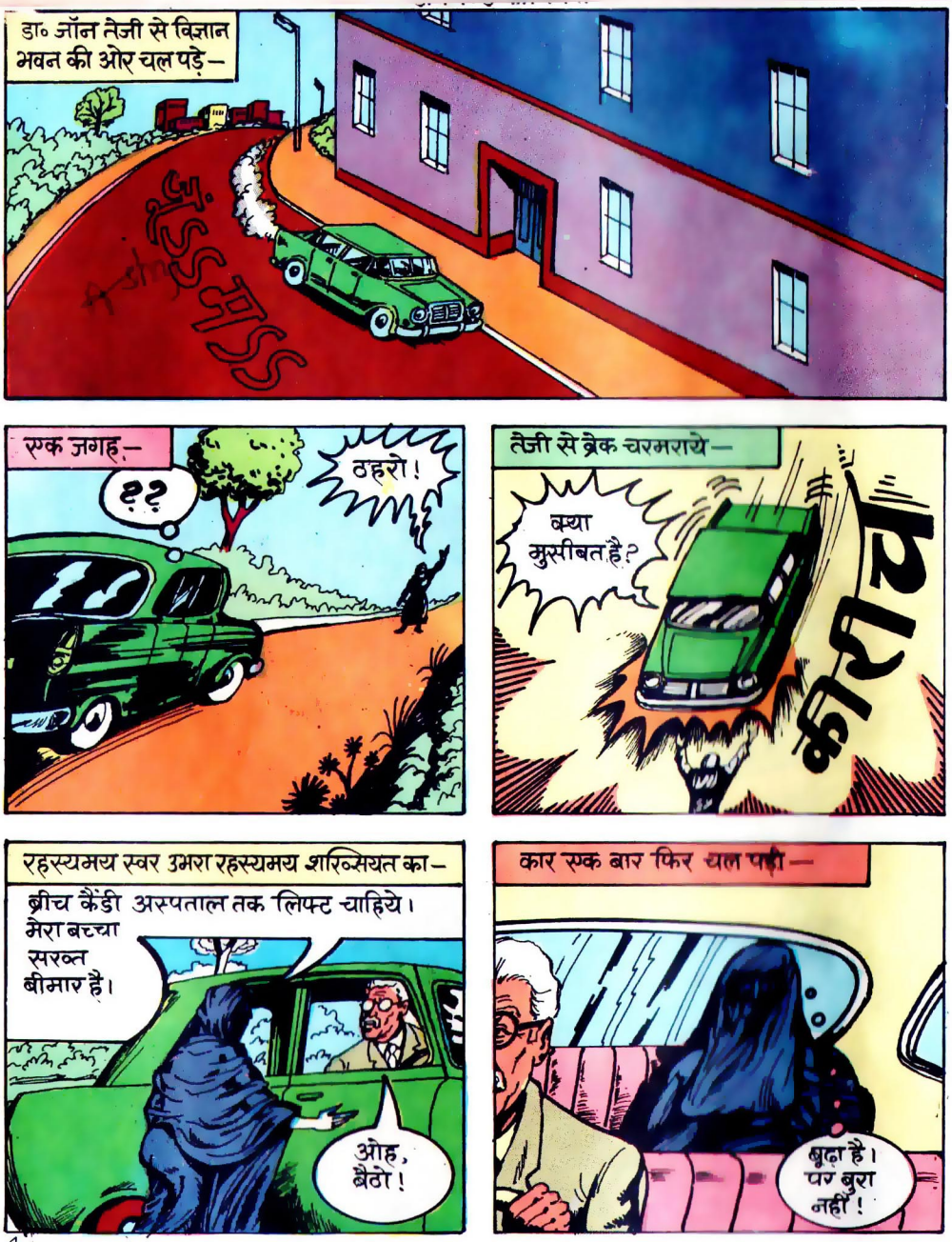
तभी डा० जॉन प्रकट हुए—

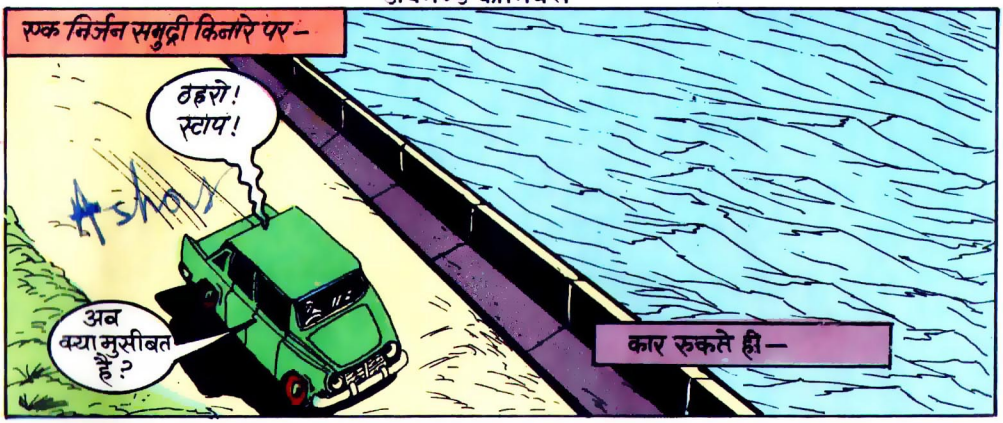
बच्चों! मैं विश्व विज्ञान सम्मेलन में जा रहा हूं!

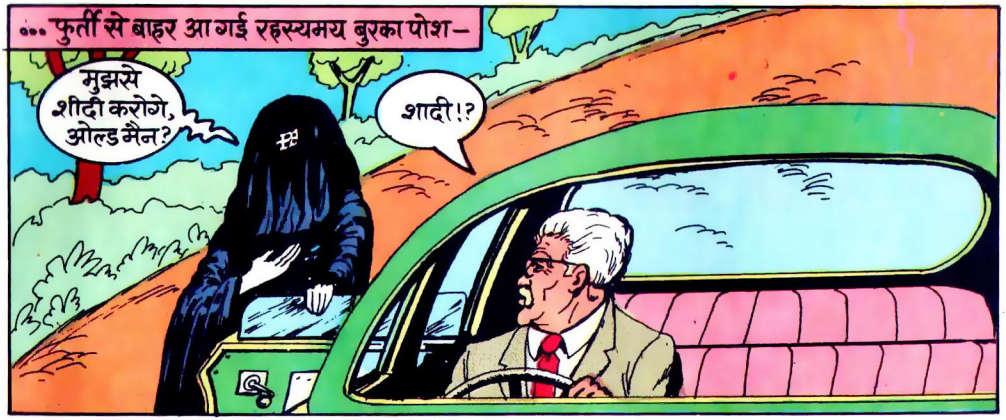
...लौटूंगा तब तक तुम्हारी पिस्टल तैयार हो चुकी होगी।

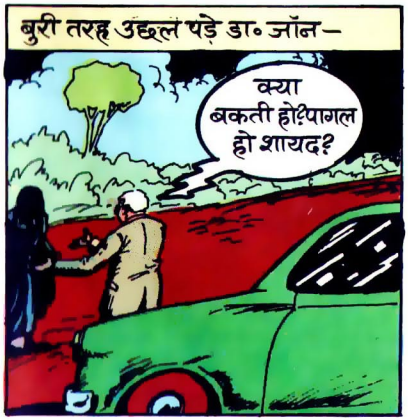
ज़रूर अंकल!

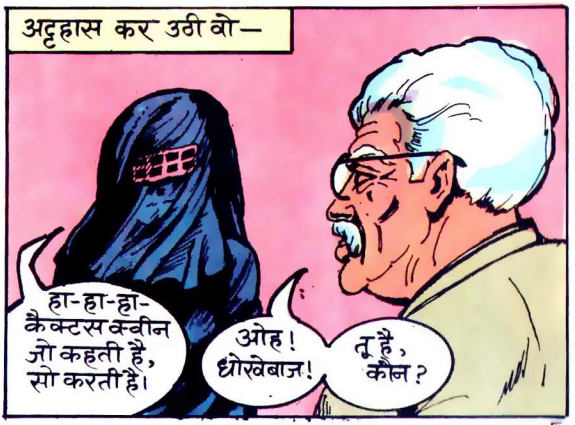
इन्हें दोस्तों, डायमण्ड कॉमिक्स पॉकेट पत्र बुक्स में आप पाएंगे 60/- रुपये के स्थान पर 60/- रुपये के 3


डा० जॉन तेजी से विज्ञान भवन की ओर चल पड़े—
एक जगह—
??
ठहरो!
तेजी से ब्रेक चरमराये—
क्या मुसीबत है?
रहस्यमय स्वर उभरा रहस्यमय शख्सियत का—
ब्रीच कैंडी अस्पताल तक लिफ्ट चाहिये। मेरा बच्चा सख्त बीमार है।
ओह, बैठो!
कार एक बार फिर चल पड़ी—
बूढ़ा है। पर बुरा नहीं!

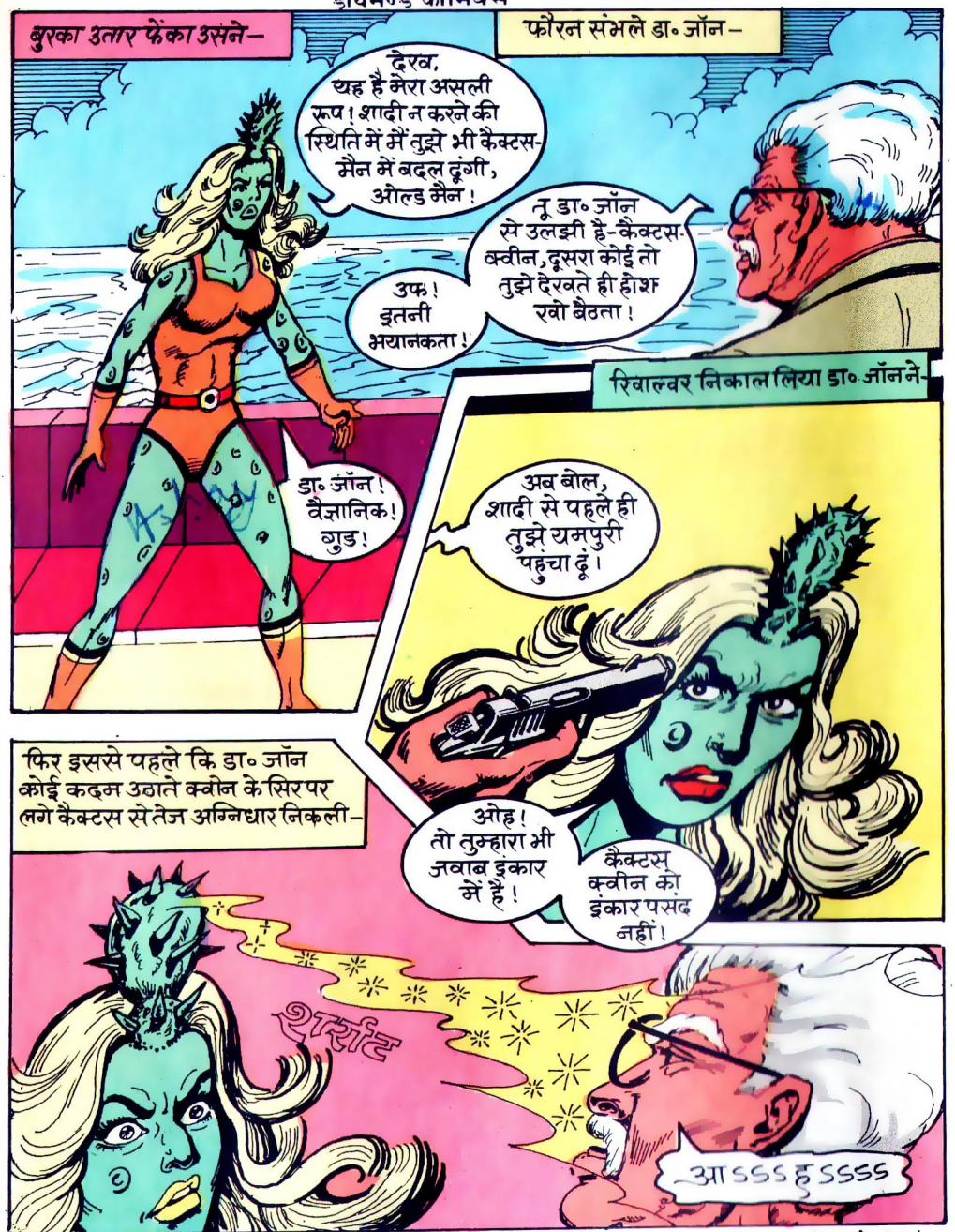








डायमण्ड कॉमिक्स में हिंदी जिमर बैक आपके पिंकी को आता है। (पृष्ठ 50/-)



डायमण्ड कामिक्स मेजिक फन बाक्स में पढ़िये मल्टी डायमेन्शनल कामिक के साथ 10 अन्य कामिक और 50/-

ASHAY

क्षणोपरान्त ही, भयानक कैक्टस उग आये थे डा॰ जॉन के सिर पर—

नहींऽऽऽ

असहाय डा॰ जॉन को लिये देखते ही देखते नजरों से ओझल होती चली गई कैक्टस क्वीन—

आ-हा-हा— मेरा हुक्म न मानने वाले के सिर को इसी तरह कैक्टस में बदल दिया करती हूं, जॉन डियर!

ठीक इसी वक्त प्रयोगशाला में—

फौलाद, पिस्टल की जगह ये क्या बन गया?

ऑल परपज़ न्यिट्रोन गन...

एक तुम्हारे लिए और एक मेरे लिये!

* तरह-तरह के अनोखे और चमत्कारी गुणों वाली गन

चलो, इसका परीक्षण कर लिया जाये.

बीच* परीक्षण के लिए उपयुक्त होगा! क्यों फौलाद?

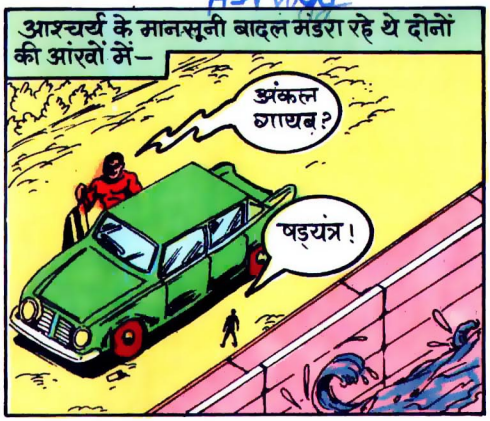
* समुद्री किनारा!

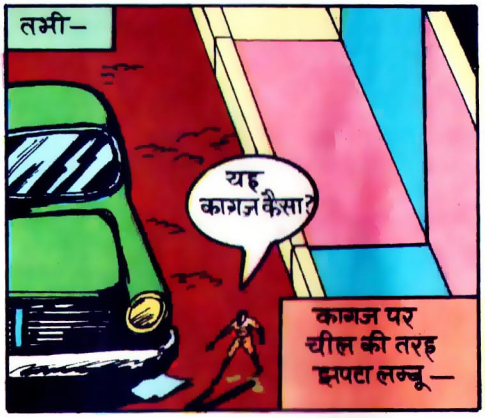
समुद्र तट पर—

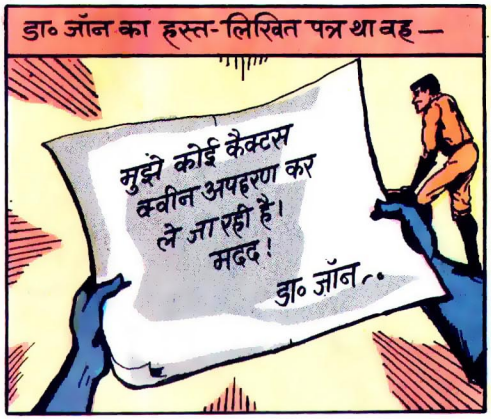
अंकल की कार!

गड़बड़!

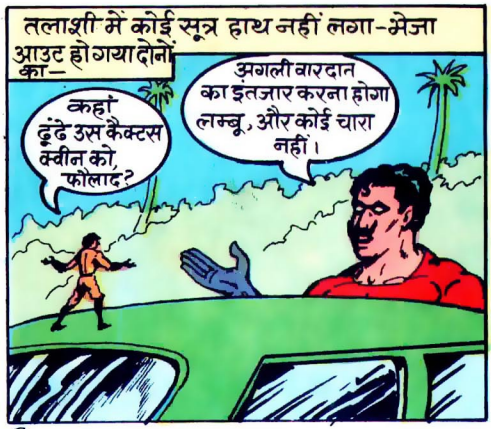
तेजी से नीचे पहुंचे वह दोनों—

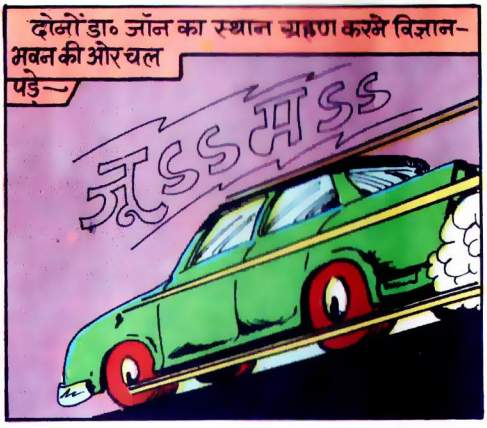




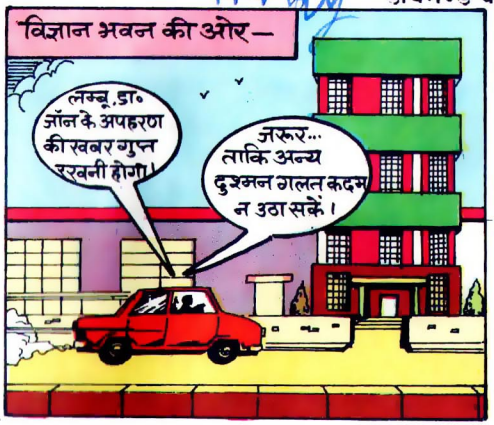




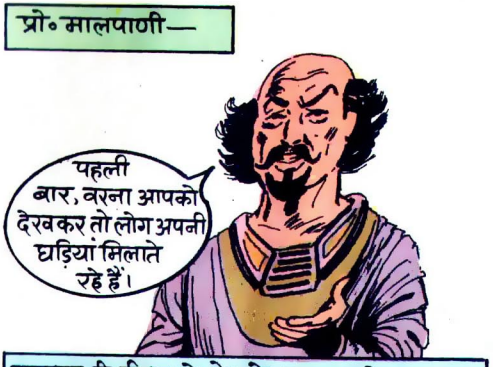


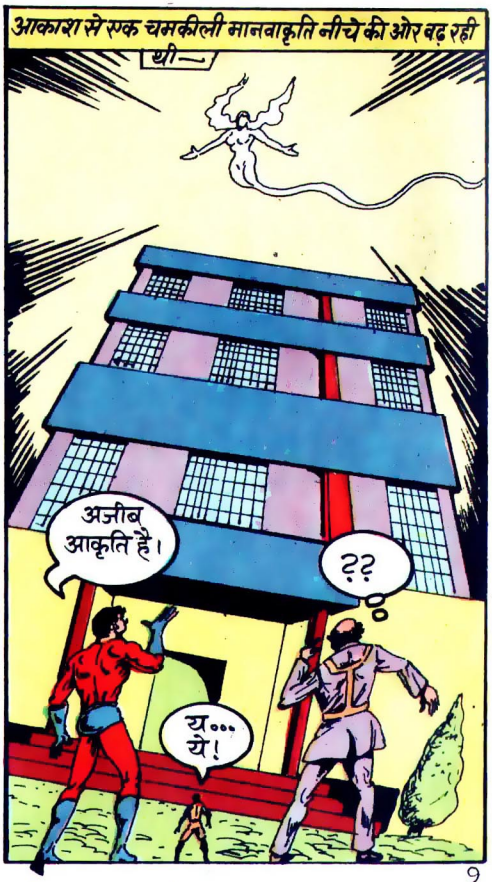


सुपरहिट कॉमिक्स में कैक्टस क्वीन पैक अपने मित्रों को उपहार दें। (मूल्य 60/-)


विज्ञान भवन की ओर—
लम्बू, डा० जॉन के अपहरण की खबर गुप्त रखनी होगी।
जरूर... ताकि अन्य दुश्मन गलत कदम न उठा सकें।


विज्ञान भवन के प्रवेश द्वार पर—
विज्ञान भवन
फौलाद, लम्बू, तुम?
सम्मेलन तो समाप्त हो गया।
हम लेट हो गये, प्रो० मालपाणी!

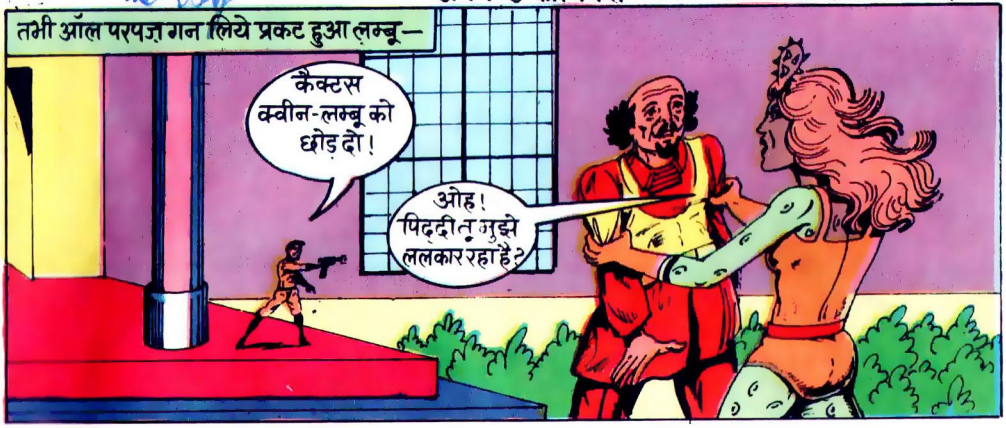

प्रो० मालपाणी—
पहली बार, वरना आपको देखकर तो लोग अपनी घड़ियां मिलाते रहे हैं।


आकाश से एक चमकीली मानवाकृति नीचे की ओर बढ़ रही थी—
अजीब आकृति है।
??
य... ये!

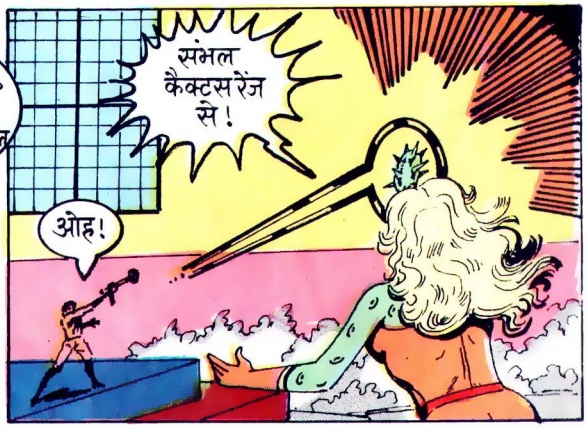

एकाएक ही चीख उठे थे प्रो० मालपाणी—
क्या हुआ, प्रोफे० मालपाणी?
व... वो?
फुर्ती से पलटे फौलाद-लम्बू—



डायमंड कामिक्स में अमर चित्रकथा गिफ्ट पैक अपने


तभी ऑल परपज़ गन लिये प्रकट हुआ लम्बू—
कैक्टस क्वीन-लम्बू को छोड़ दो!
ओह! पिद्दी तू मुझे ललकार रहा है?

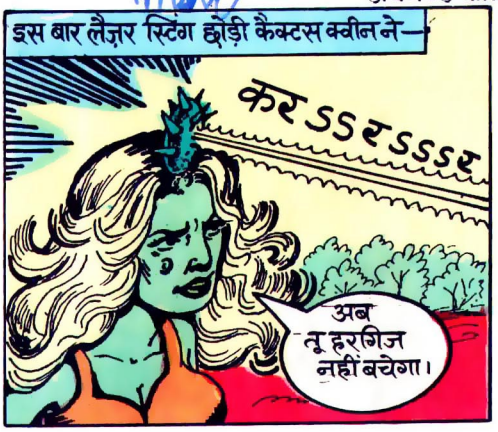

शोलों-सी सुर्ख हो उठी कैक्टस क्वीन—
कैक्टस क्वीन को चुनौती दे, तूने अपनी जिन्दगी की फाइल में मौत के दस्तखत कर लिये।

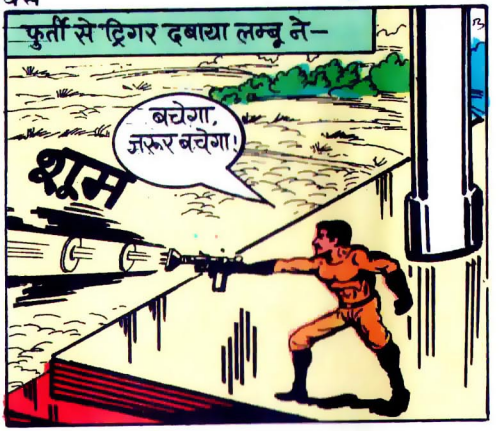

संभल कैक्टस रेंज से!
ओह!

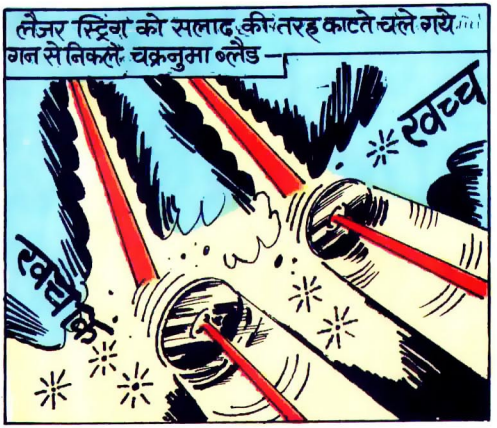

बला की फुर्ती से ऑल परपज़ गन का ट्रिगर दबाया लम्बू ने—
गन का परीक्षण इसी वक्त होना लिखा था शायद!
तेज किरणें निकलीं


दोनों रेज आपसमें टकरा कर...
धड़ाम
विस्फोट के साथ नष्ट हो गई।

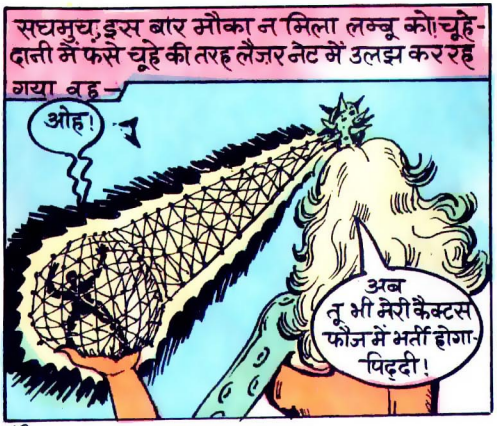

चिंता की चिताएं धधक उठीं कैक्टस क्वीन की रूक जोड़ी आंखों में—
नहीं!
गुड! गन हंड्रेड परसेंट ऑल परपज़ है!





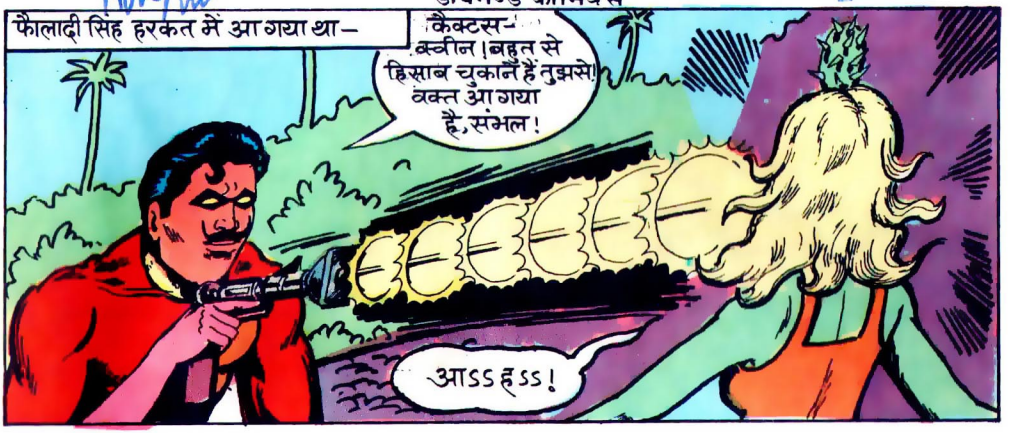




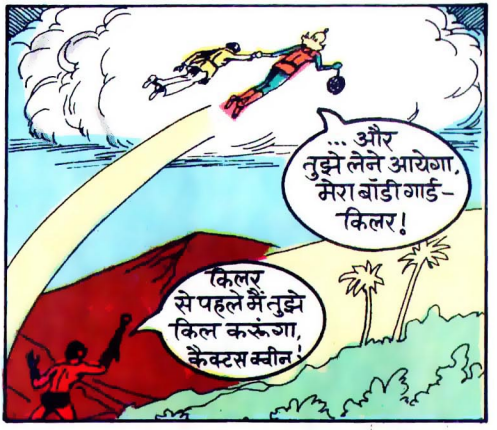


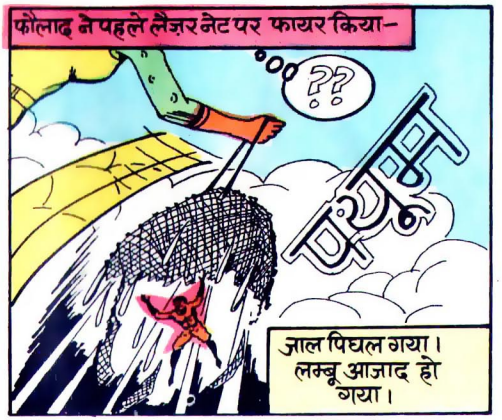


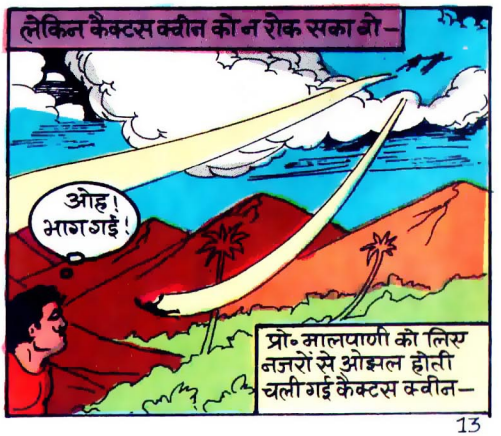
डायमण्ड कामिक्स का एक और दिलचस्प कॉमिक्स : 10/- रुपये

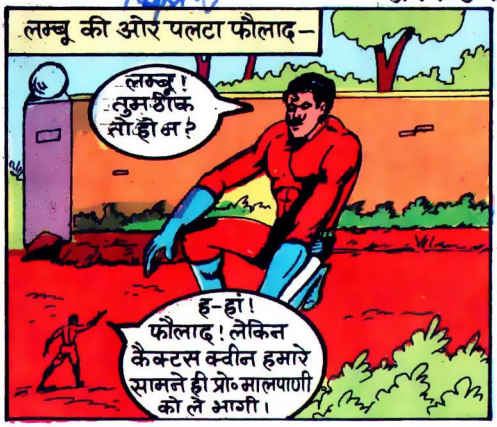

फौलादी सिंह हरकत में आ गया था—
कैक्टस-क्वीन! बहुत से हिसाब चुकाने हैं तुझसे! वक्त आ गया है, संभल!
आऽऽहऽऽ!


ठीक इसी वक्त, चमकीली मानवाकृति में बदल गई कैक्टस क्वीन—
झटका
मुझसे लोहा लेना कठिन है युवक! इन्हें ले जा रही हूं मैं!

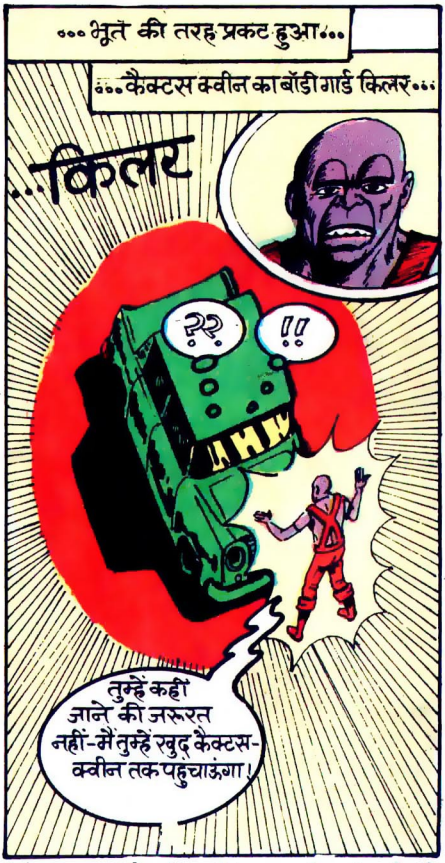

... और तुझे लेने आयेगा, मेरा बॉडी गार्ड- किलर!
किलर से पहले मैं तुझे किल करूंगा, कैक्टस क्वीन!

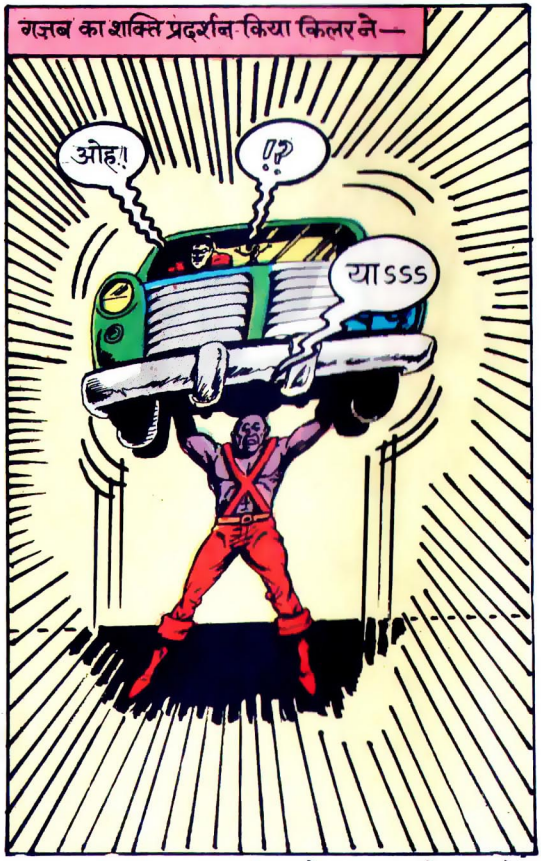

फौलाद ने पहले लैज़र नेट पर फायर किया—
??
धड़ाम
जाल पिघल गया। लम्बू आजाद हो गया।


लेकिन कैक्टस क्वीन को न रोक सका तो—
ओह! भाग गई!
प्रो॰ मालपाणी की लिए नजरों से ओझल होती चली गई कैक्टस क्वीन—

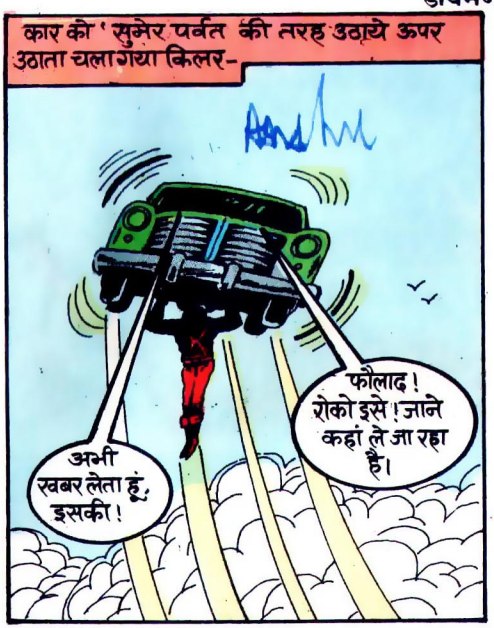






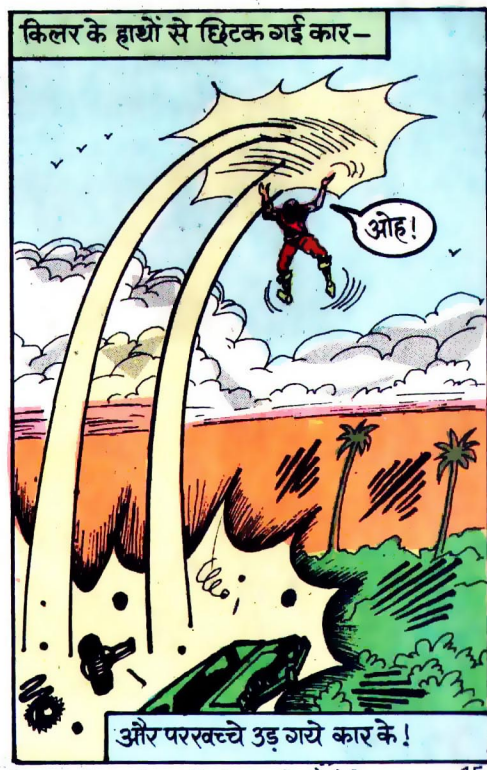


 चाचा चौधरी प्लेइंग कार्ड—रंग बिरंगे ताश के पत्तों में ताश का खेल और पांच एजुकेशनल गेम्स

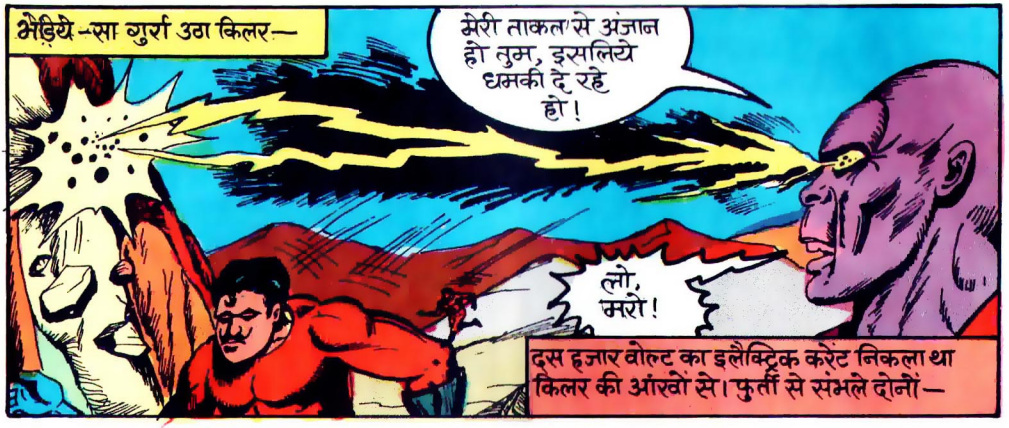

कार को 'सुमेर पर्वत' की तरह उठाये ऊपर उठाता चला गया किलर-
अभी खबर लेता हूं इसकी!
फौलाद! रोको इसे! जाने कहां ले जा रहा है।

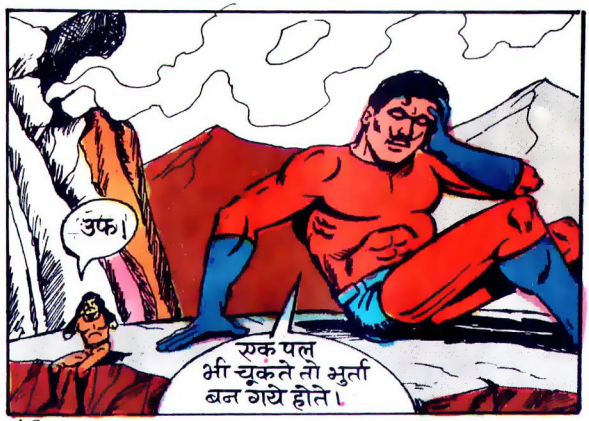

कार से निकल कर किलर के सिर पर किक जड़ दी फौलाद ने—
ठाक
उफ!
सिर झनझना उठा किलर का—


इस बार लम्बू का घूंसा टकराया—
भड़ाक
आउच—
संतुलन डांवाडोल हुआ—


किलर के हाथों से छिटक गई कार—
ओह!
और परखच्चे उड़ गये कार के!

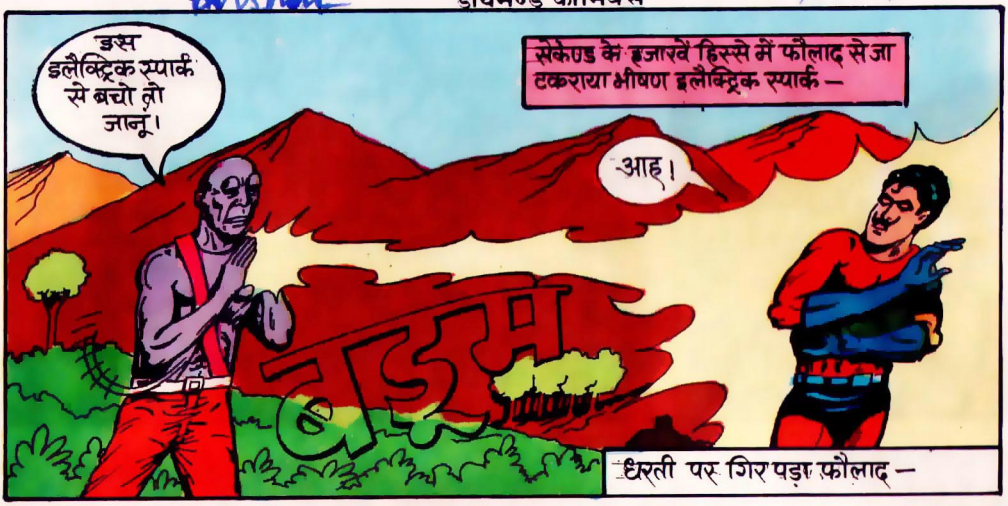


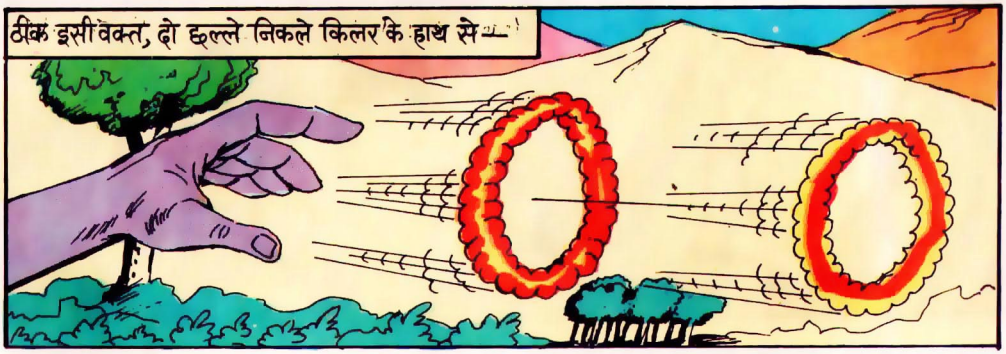


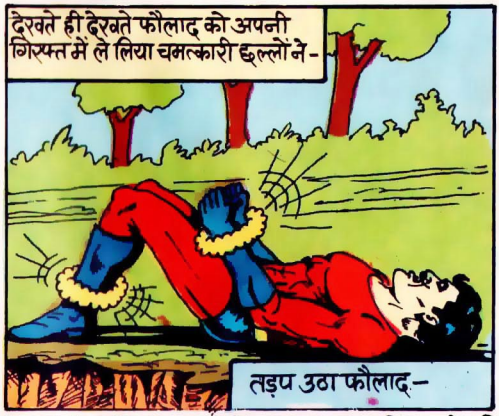


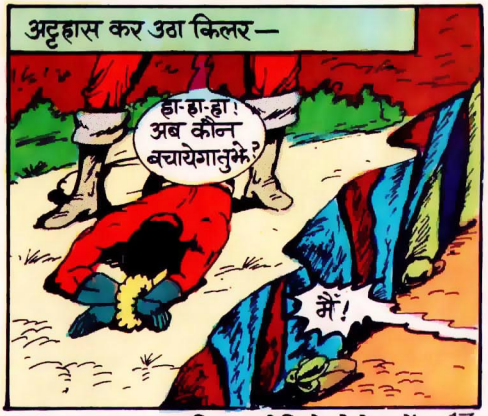


और अब हर माह सुनिये, अपने मनपसंद चरित्रों के रोमांचक एवं मनोरंजन से भरपूर कारनामें, अपने घर

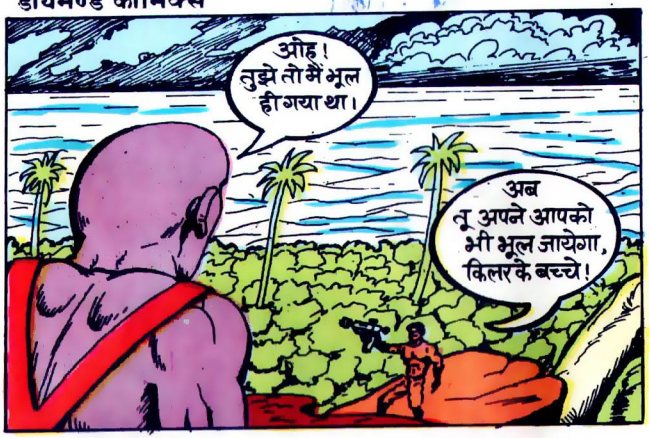

इस इलैक्ट्रिक स्पार्क से बचो तो जानूं।
सेकेण्ड के हजारवें हिस्से में फौलाद से जा टकराया भीषण इलैक्ट्रिक स्पार्क –
आह!
धड़ाम
धरती पर गिर पड़ा फौलाद –


ठीक इसी वक्त, दो छल्ले निकले किलर के हाथ से –


देखते ही देखते फौलाद को अपनी गिरफ्त में ले लिया चमत्कारी छल्लों ने –
तड़प उठा फौलाद –

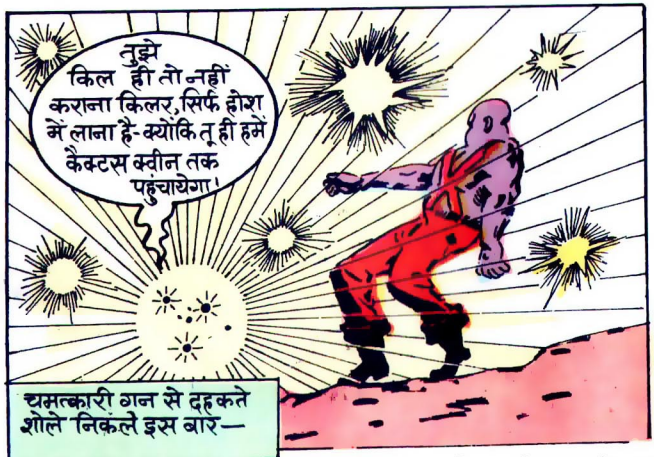

अट्टहास कर उठा किलर –
हा-हा-हा! अब कौन बचायेगा तुझे?
मैं!







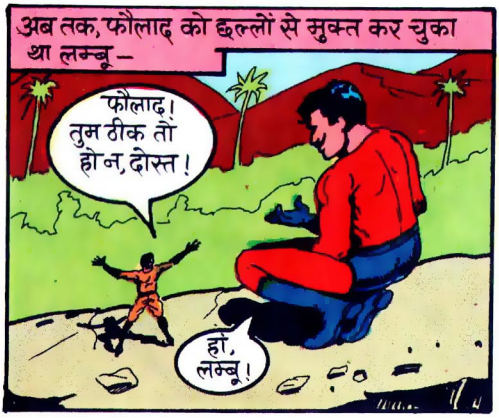


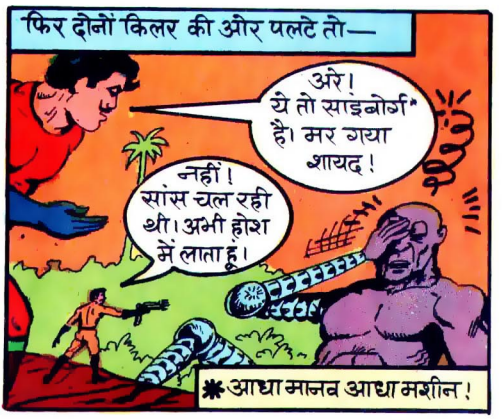


में डायमण्ड कॉमिक्स के सभी पात्रों के रंगीन पेपर स्टीकर प्रत्येक का





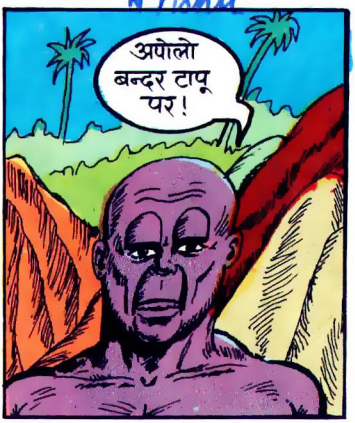


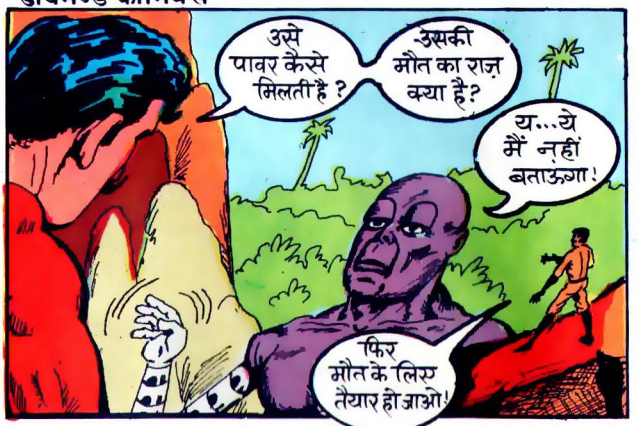


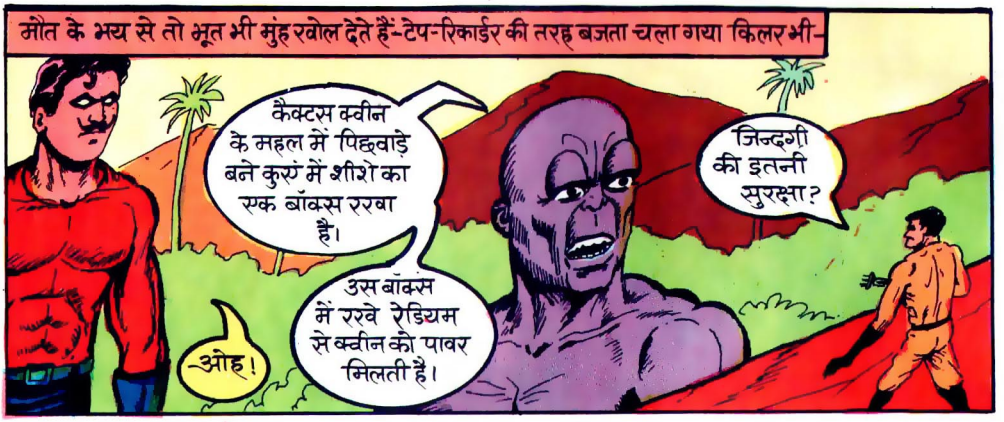




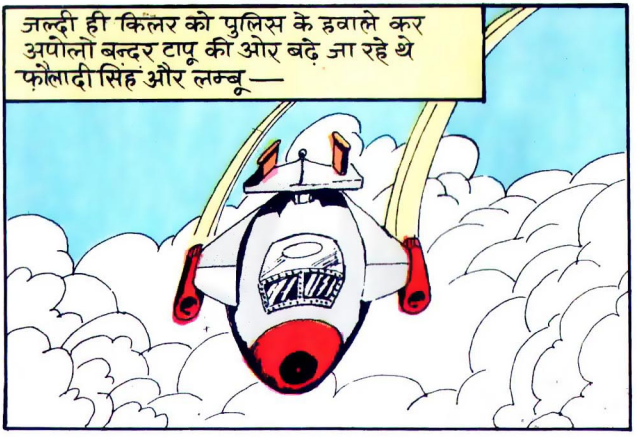
नन्हें दोस्तों, डायमण्ड कामिक्स मैजिक फन बाक्स से आप पाएंगे 60/- रुपये के इनाम। 60/- रुपये के


अपोलो बन्दर टापू पर!


उसे पावर कैसे मिलती है?
उसकी मौत का राज़ क्या है?
य...ये मैं नहीं बताऊंगा!
फिर मौत के लिए तैयार हो जाओ!


मौत के भय से तो भूत भी मुंह खोल देते हैं-टेप-रिकार्डर की तरह बजता चला गया किलर भी-
कैक्टस क्वीन के महल में पिछवाड़े बने कुएं में शीशे का एक बॉक्स रखा है।
ओह!
उस बॉक्स में रखे रेडियम से क्वीन को पावर मिलती है।
जिन्दगी की इतनी सुरक्षा?


लेकिन मौत तो अपनी मंजिल ढूंढ ही लेती है।


जल्दी ही किलर को पुलिस के हवाले कर अपोलो बन्दर टापू की ओर बढ़े जा रहे थे फौलादी सिंह और लम्बू—


ठीक इसी वक्त, अपोलो बन्दर टापू पर–
कहो, मेरे पालतू पतियो ! क्या हाल हैं तुम्हारे?
मैं शादी को तैयार हूं क्वीन ! मुझे छोड़ दो !
मैं भी !
!!
??
हा-हा-हा ! मुझे सिर्फ एक पति चाहिए- यंग, हैण्डसम स्मार्ट और जो मेरी तरह महान वैज्ञानिक हो- क्यों प्रो० मालपाणी?
नहीं ! मैं तुझसे हरगिज शादी नहीं करूंगा?
कब तक इंकार करोगे, प्यारे ! आज से तुम्हारा दाना-पानी बन्द, मालपाणी !
ओह!
फिर कैक्टस क्वीन ज्योंही पलटी, हांफते हुए एक ...
...कैक्टस सैनिक प्रकट हुआ–
महारानी ! एक प्लेन टापू की ओर बढ़ रहा है।
हैल्प !
प्लेन !?
डा० जॉन की आंखों में चमक उत्पन हो गई।



डायमण्ड कामिक्स मैजिक फन बाक्स में पढ़िये मल्टी डायमेन्शनल कामिक के साथ 10 फन कामिक और 50/

तभी प्लेन की ओर उछले कुछ कैक्टस-मानो मिसाइल हों—

रेन वक्त पर फायर झोंके दोनों ने—

धूम

हवा में ही नष्ट हो गये बाजीगर कैक्टस !

इस बार सैकड़ों कैक्टस जम्प की तैयारी में थे—

लम्बू ! बम दागो !

राइट !

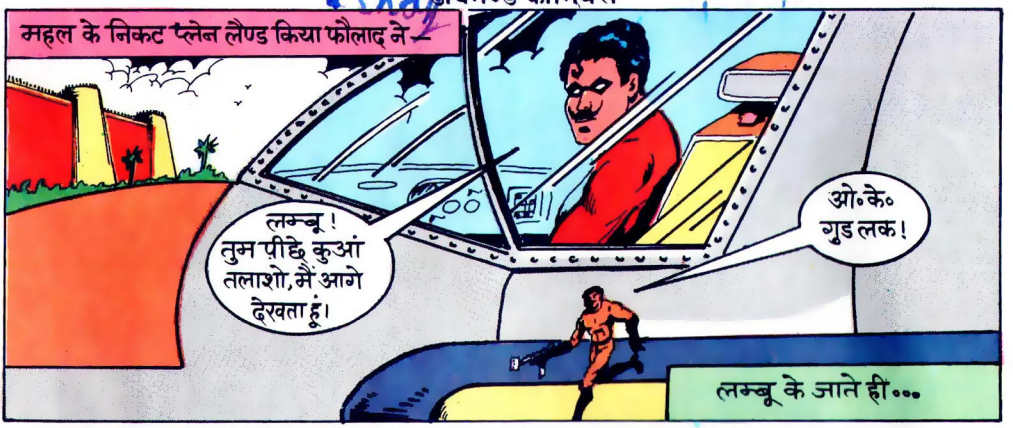
दर्जनों बम लपके उग्रवादी कैक्टसों की ओर—

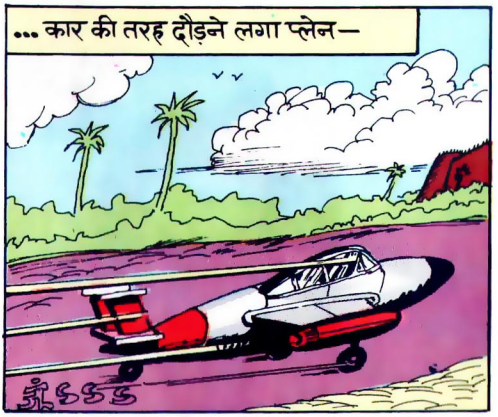
मानो रावण फुंक रहा हो। भीषण विस्फोटों के साथ चीथड़े उड़ गये कैक्टस फोर्स के—

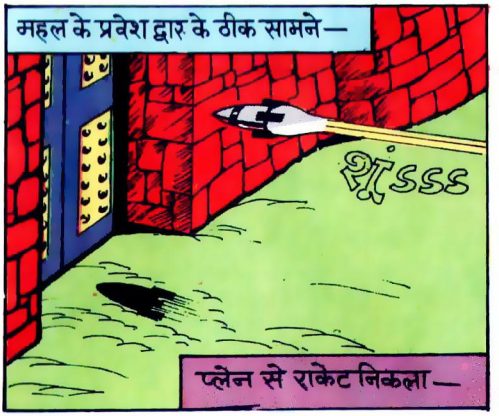
वो मारा !

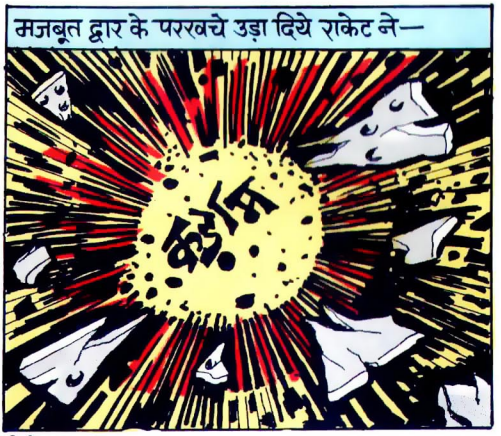
धड़ाम

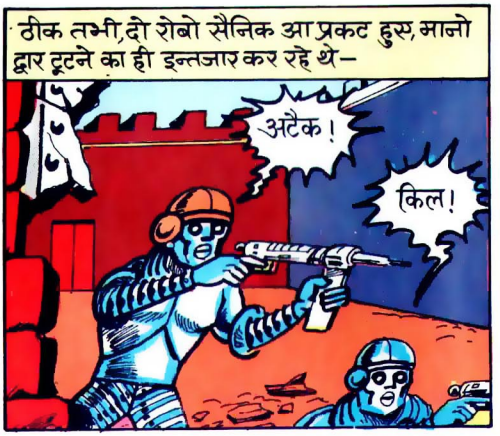
बड़ाम





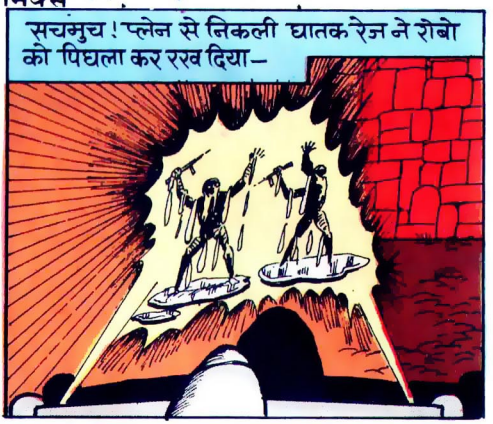




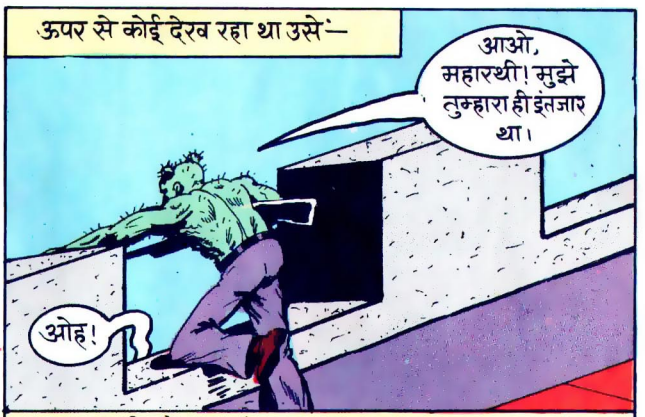


आपके पिताजी को याद दें। (मूल्य 60/-)

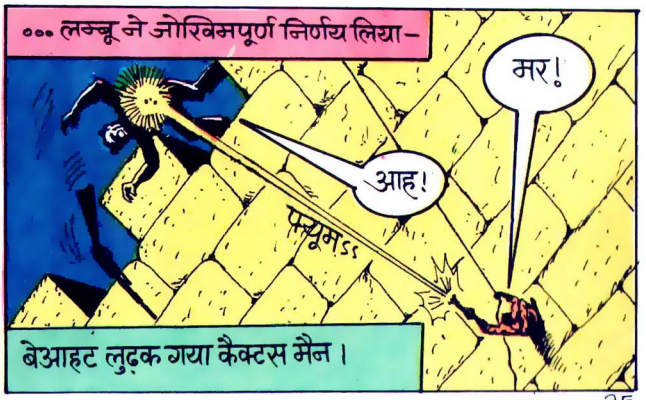






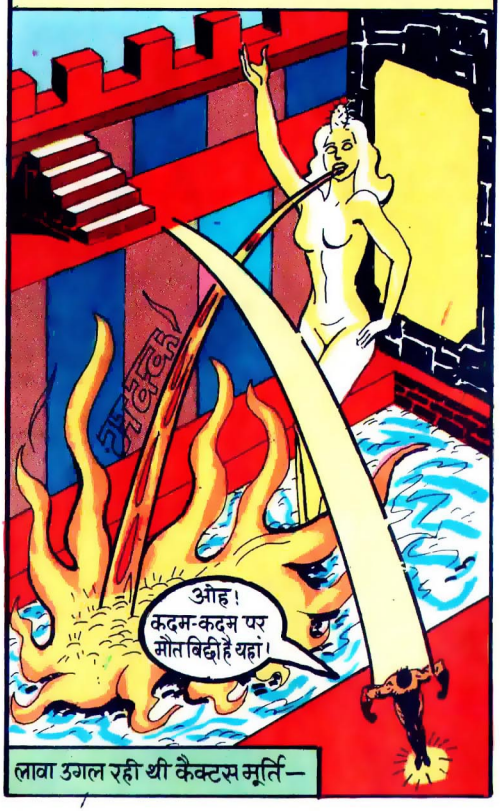


इससे पहले कि कैक्टस मैन गन से फायर करता...



बेआहट लुढ़क गया कैक्टस मैन।

फिर, लम्बू दरवाजे के पिछवाड़े उतरा ही था कि—



लावा उगल रही थी कैक्टस मूर्ति—

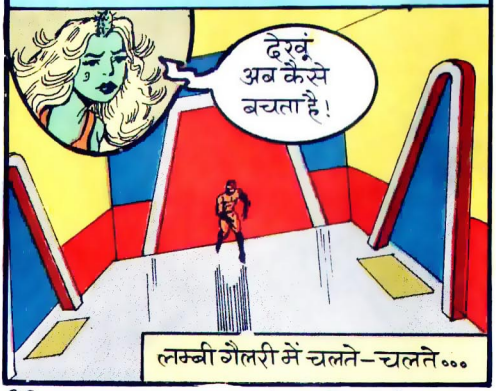
बला की फुर्ती से एक कैप्सूल बम निकाल कर मूर्ति की ओर उछाल दिया लम्बू ने—



चीथड़े उड़ गये लावा उगलती भयानकता के—

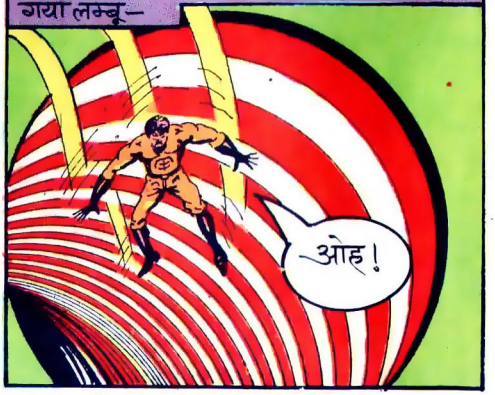


उसकी हर हरकत पर निगाह रखे थी कैक्टस क्वीन—



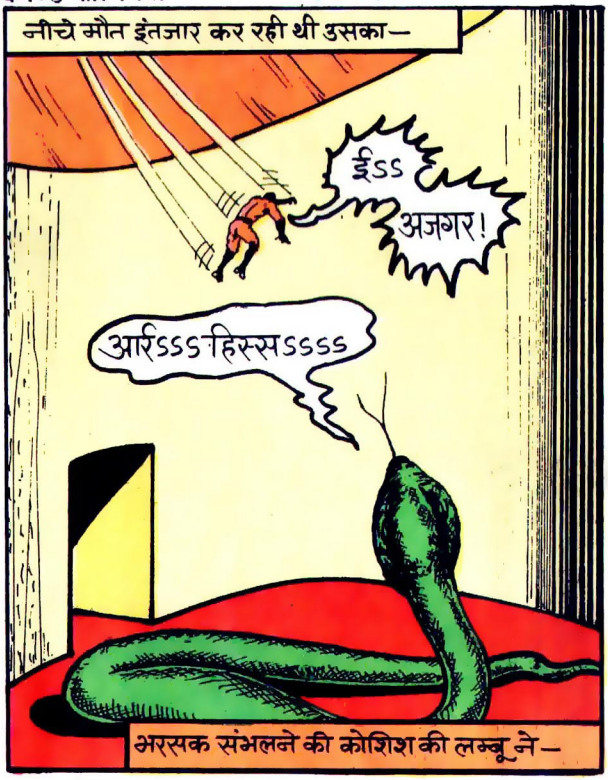
लम्बी गैलरी में चलते-चलते...

...एकाएक फर्श में उभरे गड्ढे में लुढ़कता चला गया लम्बू—



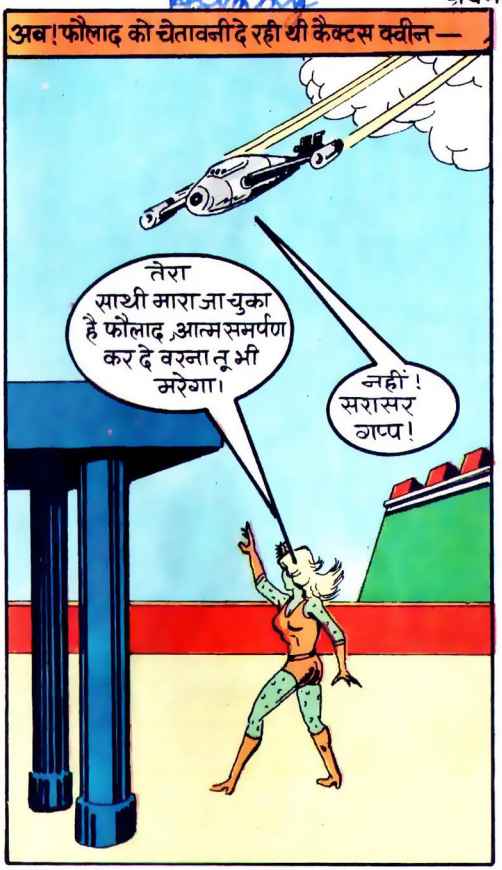
डायमंड कामिक्स में अमर चित्रकथा गिफ्ट पैक अपने


फिसलन पर संभल नहीं पा रहा था वो—
ओह! न जाने कहां अंत होगा इस फिसलन का!

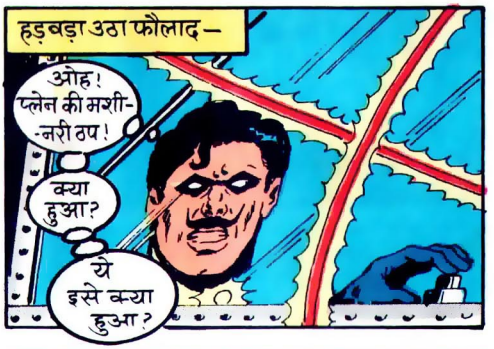

नीचे मौत इंतजार कर रही थी उसका—
ईऽऽ अजगर!
आईऽऽऽ हिस्सऽऽऽऽ
भरसक संभलने की कोशिश की लम्बू ने—

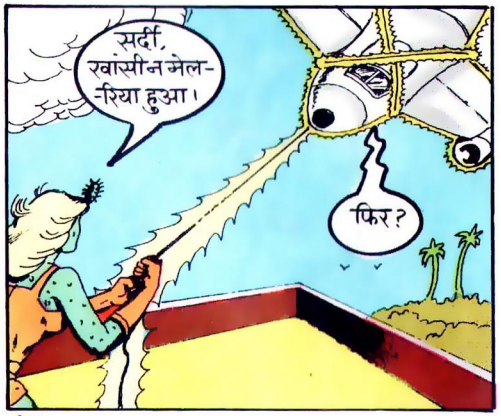

...लेकिन संभला, तो अजगर के पेट में जाकर ही—
गुलुप

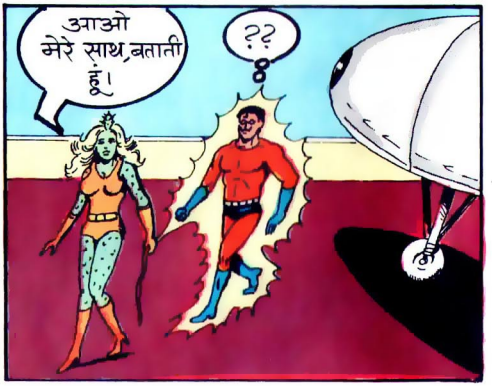

अट्टहास कर उठी कैक्टस क्वीन—
ही-ही-ही- मर गया! अफसोस, उसे पति न बना सकी।

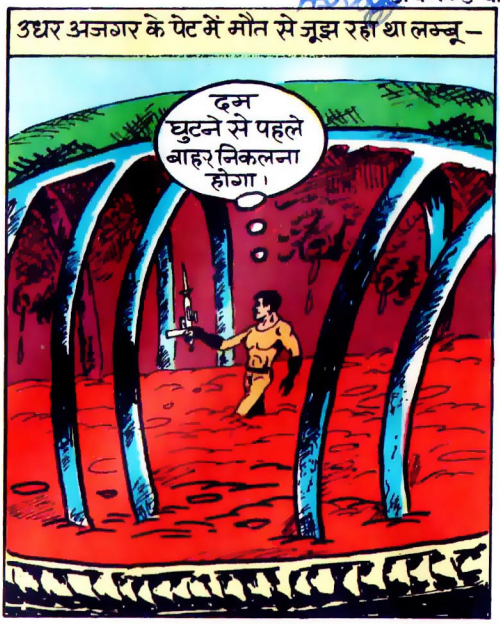

अब! फौलाद को चेतावनी दे रही थी कैक्टस क्वीन—
तेरा साथी मारा जा चुका है फौलाद, आत्म समर्पण कर दे वरना तू भी मरेगा।
नहीं! सरासर गप्प!


तो देख, सच्चाई दिखाऊं तुझे!
प्लेन को लेज़र स्ट्रिंग में जकड़ लिया कैक्टस क्वीन ने-


हड़बड़ा उठा फौलाद—
ओह! प्लेन की मशीनरी ठप!
क्या हुआ?
ये इसे क्या हुआ?


सर्दी, खांसी न मेलरिया हुआ।
फिर?


आओ मेरे साथ, बताती हूं।
??



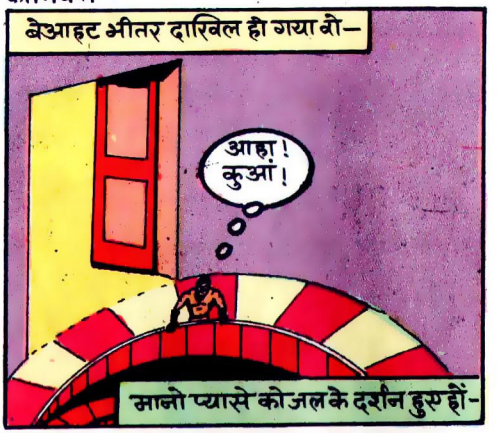


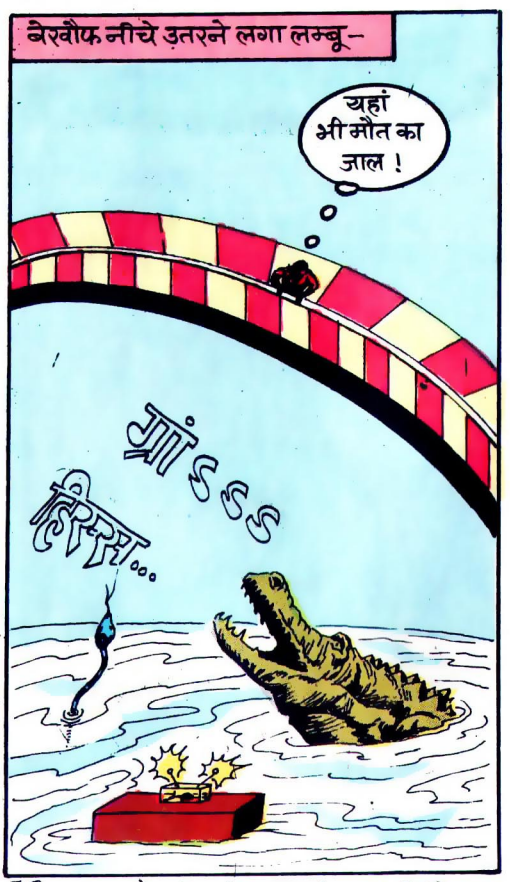


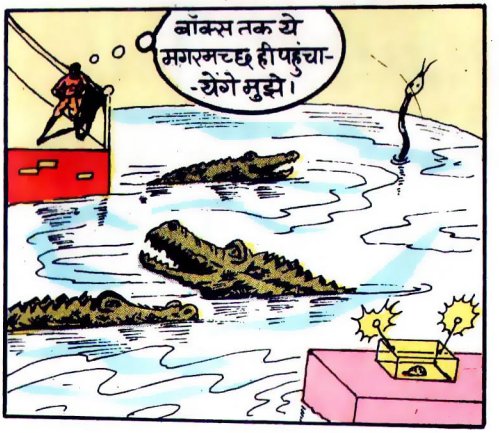


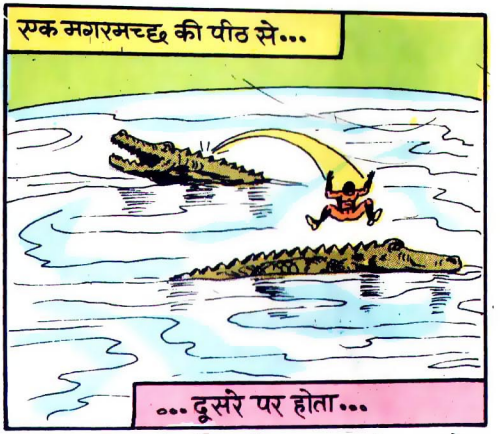
प्यारे बच्चों, डायमण्ड कॉमिक्स में हर माह दस सबसे बिलकुल एकदम नई आएंगी

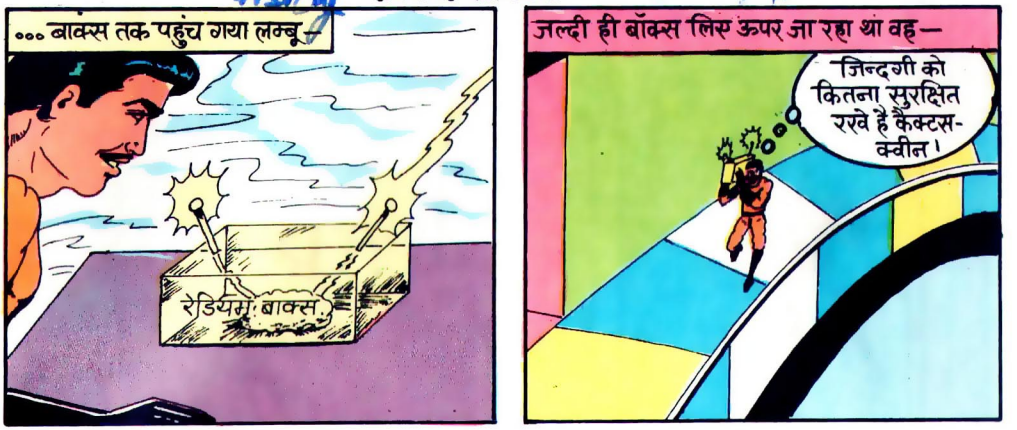

इस वक्त, एक बंद द्वार को घूर रहा था लम्बू-
NO ADMISSION
कुआं शायद इसी के पीछे हो।

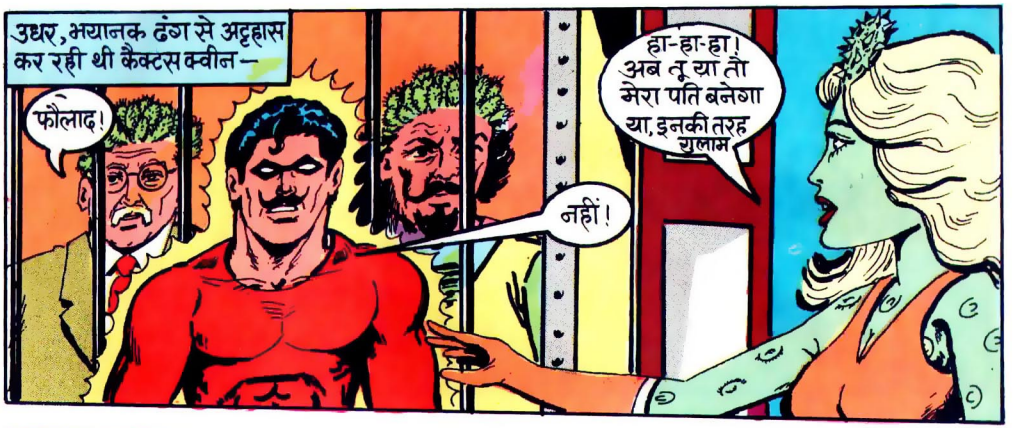

बेआहट भीतर दाखिल हो गया वो—
आहा! कुआं!
मानो प्यासे को जल के दर्शन हुए हों-

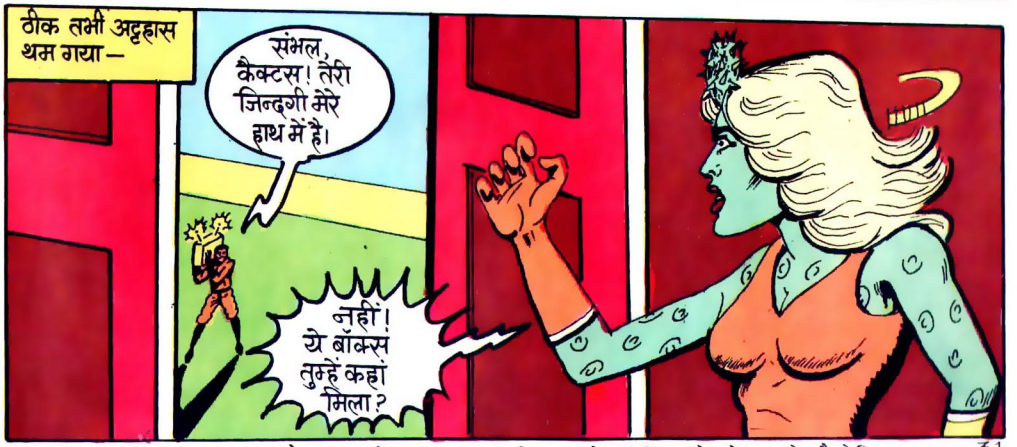

बेखौफ नीचे उतरने लगा लम्बू—
यहां भी मौत का जाल!
ग्रांऽऽऽ
हिस्स...


बॉक्स तक ये मगरमच्छ ही पहुंचा- -येंगे मुझे।

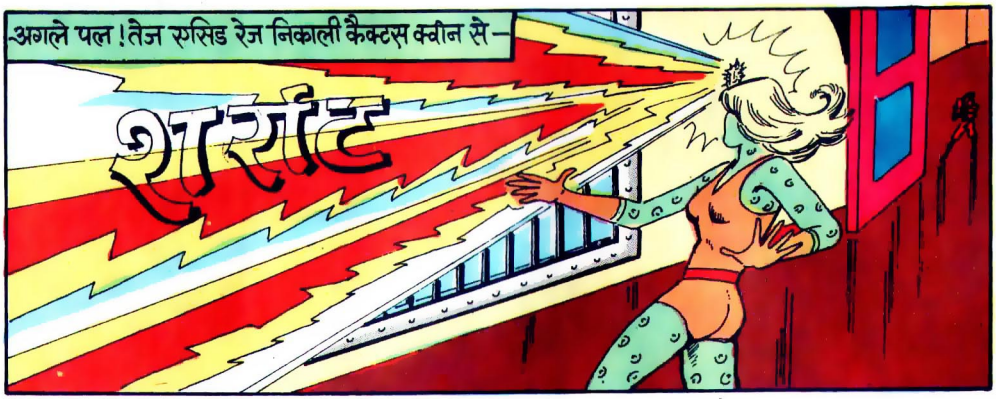

एक मगरमच्छ की पीठ से...
...दूसरे पर होता...

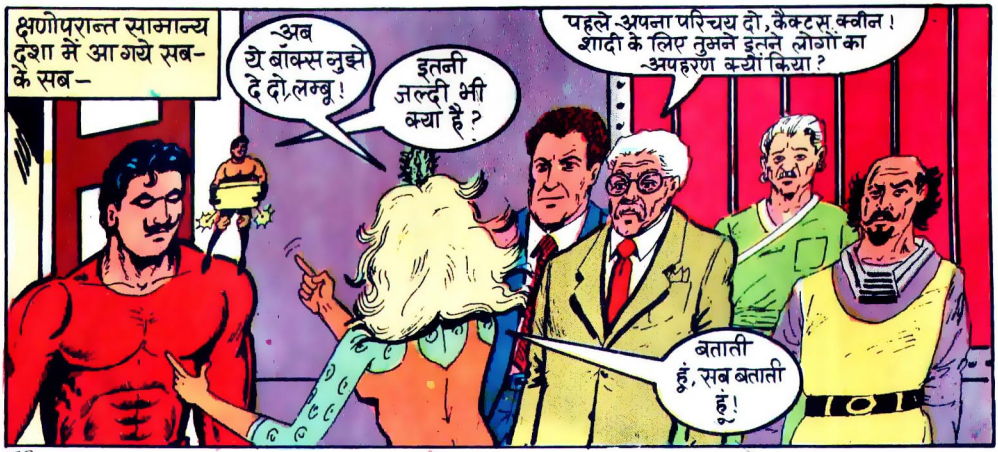

... बॉक्स तक पहुंच गया लम्बू—
रेडियम बॉक्स
जल्दी ही बॉक्स लिए ऊपर जा रहा था वह—
जिन्दगी को कितना सुरक्षित रखे है कैक्टस-क्वीन!


उधर, भयानक ढंग से अट्टहास कर रही थी कैक्टस क्वीन—
फौलाद!
नहीं!
हा-हा-हा! अब तू या तो मेरा पति बनेगा या, इनकी तरह गुलाम

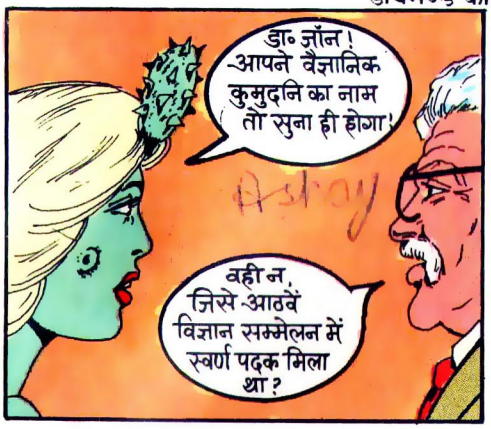

ठीक तभी अट्टहास थम गया—
संभल, कैक्टस! तेरी जिन्दगी मेरे हाथ में है।
नहीं! ये बॉक्स तुम्हें कहां मिला?



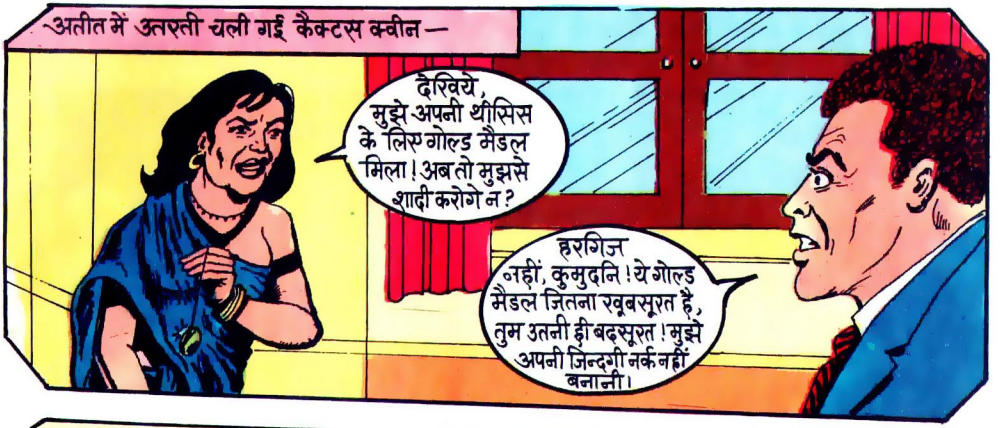




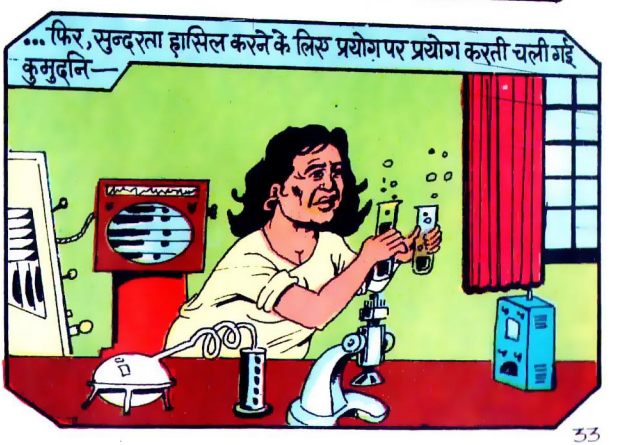
डायमण्ड-कामिक्स फन कलैक्शन में डायमण्ड कामिक्स के सभी पात्रों के रंगीन पेपर स्टीकर प्रत्येक का


डा० जॉन! आपने वैज्ञानिक कुमुदनि का नाम तो सुना ही होगा!
वही न, जिसे आठवें विज्ञान सम्मेलन में स्वर्ण पदक मिला था?

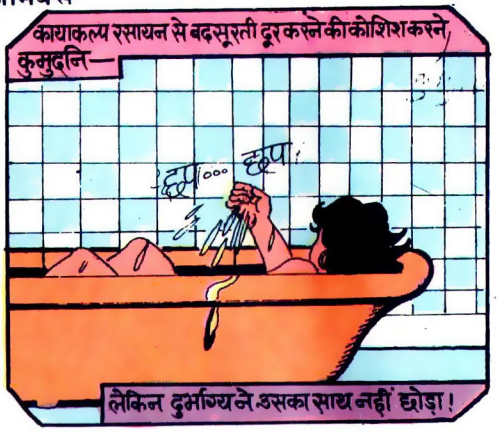

हां, वही!
उस दिन स्वर्ण पदक लेकर सर्वप्रथम वह अपने सहकर्मी कुप्पुस्वामी के पास गई!

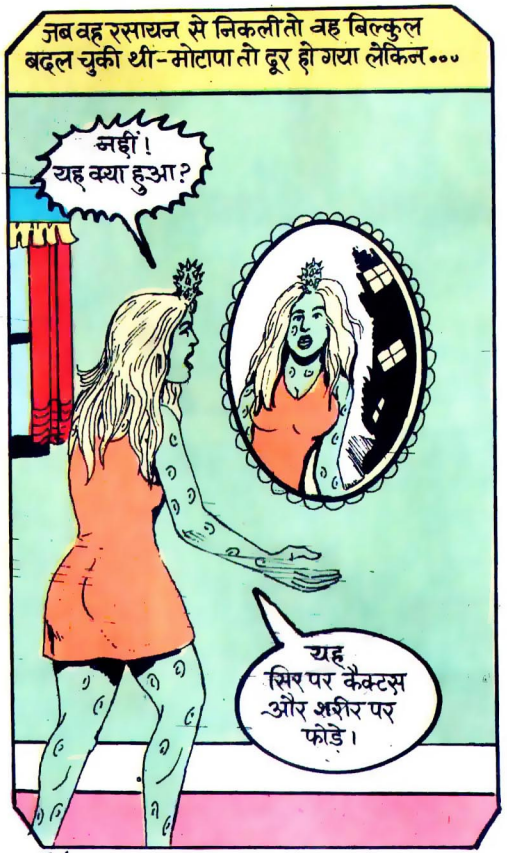

अतीत में उतरती चली गई कैक्टस क्वीन—
देखिये, मुझे अपनी थीसिस के लिए गोल्ड मैडल मिला! अब तो मुझसे शादी करोगे न?
हरगिज नहीं, कुमुदनि! ये गोल्ड मैडल जितना खूबसूरत है, तुम उतनी ही बदसूरत! मुझे अपनी जिन्दगी नर्क नहीं बनानी।

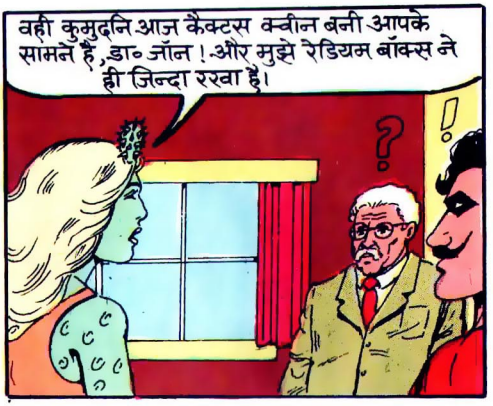

...उस दिन दिल टूट गया था कुमुदनि का—
सुबक... सुबक...


...फिर, सुन्दरता हासिल करने के लिए प्रयोग पर प्रयोग करती चली गई कुमुदनि—


...एक दिन ! आज अपना सपना सच हो जाये शायद-
Ashay
कायाकल्प रसायन..

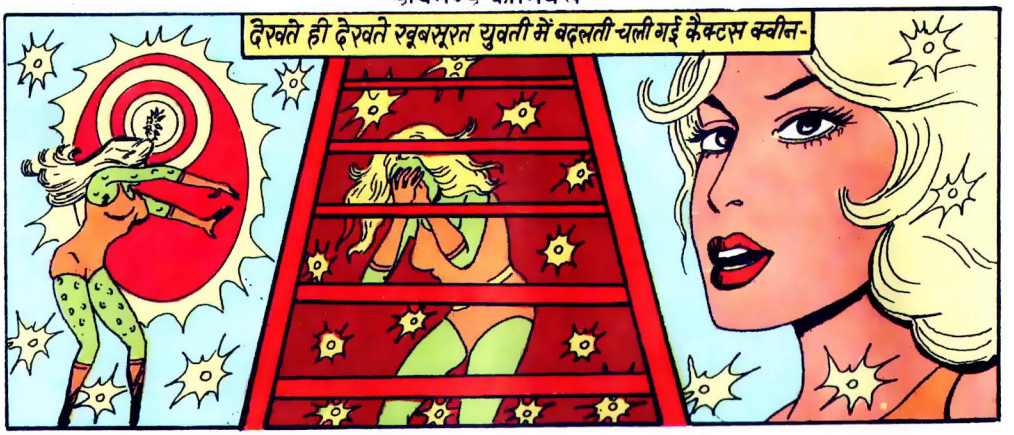

कायाकल्प रसायन से बदसूरती दूर करने की कोशिश करने, कुमुदनि—
छपा...
छपा
लेकिन दुर्भाग्य ने उसका साथ नहीं छोड़ा !

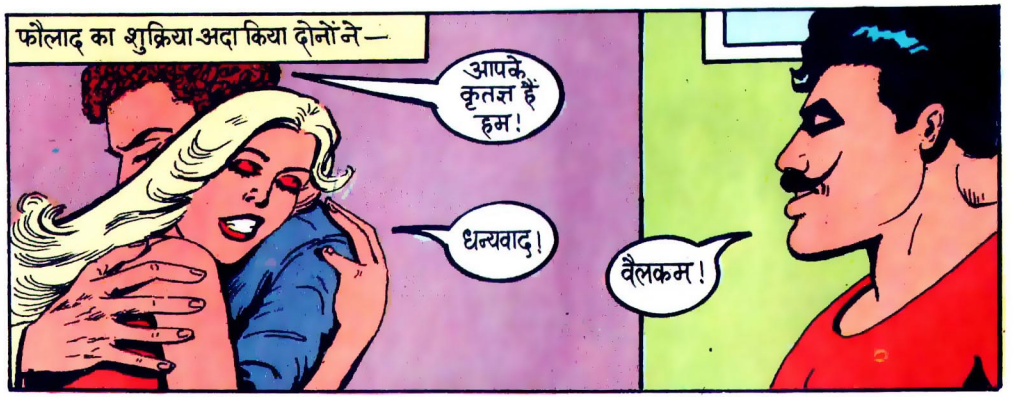

जब वह रसायन से निकली तो वह बिल्कुल बदल चुकी थी- मोटापा तो दूर हो गया लेकिन...
नहीं ! यह क्या हुआ ?
यह सिर पर कैक्टस और शरीर पर फोड़े।

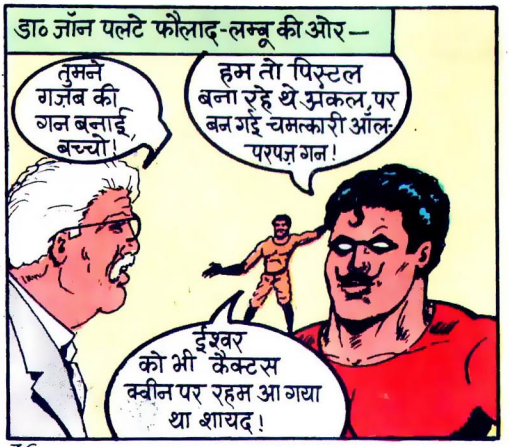

वही कुमुदनि आज कैक्टस क्वीन बनी आपके सामने है, डा० जॉन ! और मुझे रेडियम बॉक्स ने ही जिन्दा रखा है।
?
!

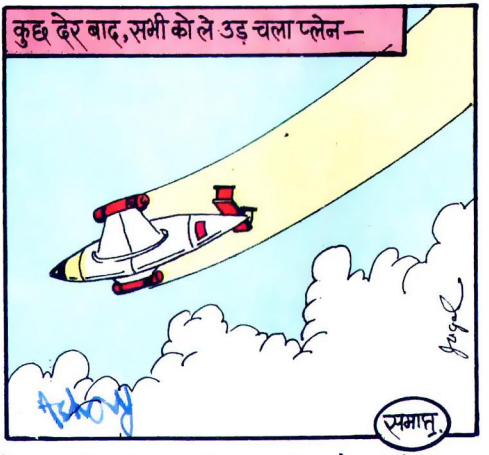

ओह ! तुम्हारे साथ वाकई ज्यादती हुई कुमुदनि।


फफक उठी थी कैक्टस क्वीन उर्फ कुमुदनि–
डा० जॉन! बदसूरती का मज़ाक उड़ाने वाले को मैं सबक सिखवाना चाहती थी।
नहीं!
कुप्पुस्वामी भी मौजूद था वहां–
मैं सचमुच गुनहगार हूं, कुमुदनि! मैं–मैं तुमसे शादी करूंगा–इस रूप में भी।
अब बहुत देर हो चुकी है।
फौलाद बोल पड़ा–
देर आये, दुरुस्त आये! कैक्टस क्वीन को हम सचमुच की क्वीन में बदल देंगे।
??
!!!
कोई कुछ समझता उसके पूर्व ही ऑलपरपज़ गन का फायर किया फौलाद ने–
ओह!
बरस्ट





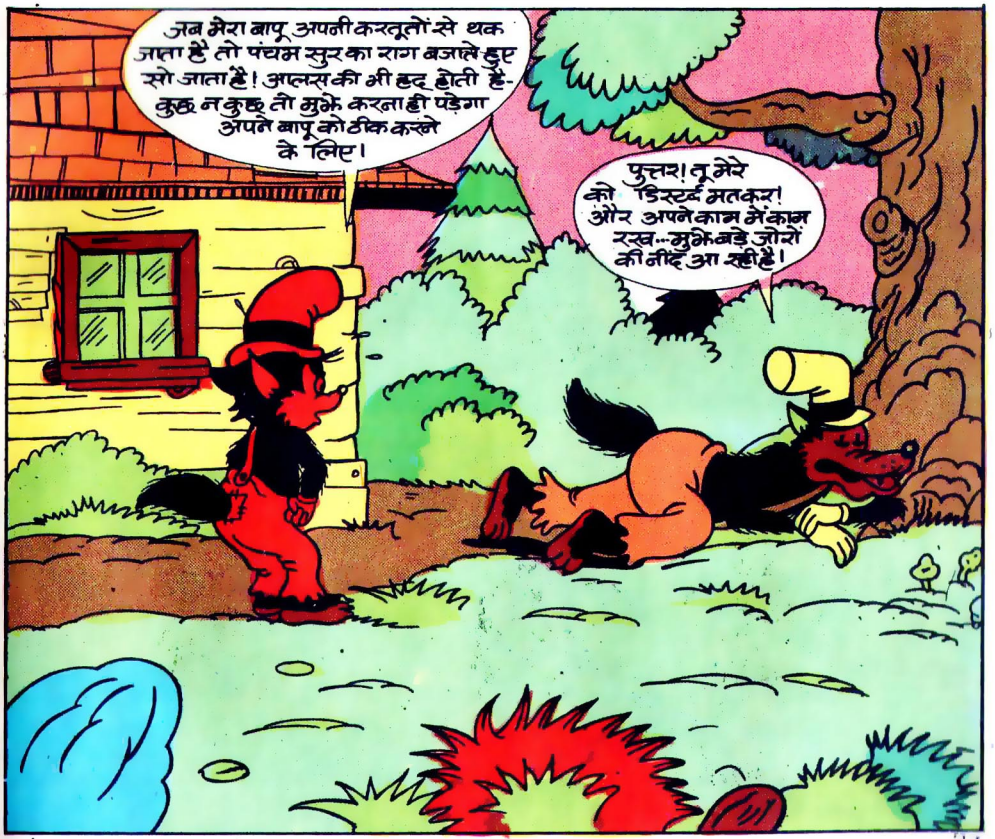




डायमण्ड कामिक्स मैगिक फन बाक्स में एडिये सल्टी डायमैन्शनल कामिक के साथ 10 अन्य कामिक और 50/-

दुष्ट असलम

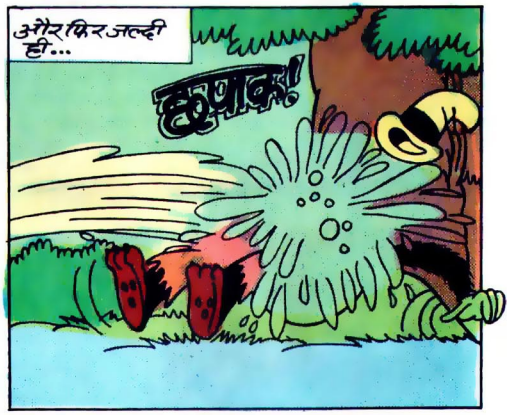
सम्पादक : गुलशन राय • कथानक एवं चित्रकार : विनोद भाटिया




कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा!


और फिर...
हुम्म... इस किताबों की अलमारी में ढेर सारी ऐसी पुस्तकें हैं, जिनमें दिया गया है कि आदमी का व्यक्तित्व कैसे निखारा जाये।

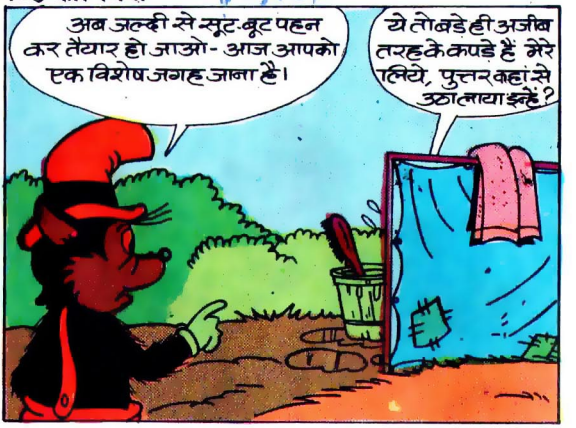

फिर झींगा लोमड़ी अपने बापू की दूसरी तरफ, उसी पेड़ के पास बैठ कर उस पुस्तक का अध्ययन करने लगा-
ZZZ


और फिर जल्दी ही...
धुपाक!


चलो बापू तुम्हारे नहाने का सारा सामान तैयार है अब जल्दी नहालो!
पुत्तर! तू वी उल्टे सीधे काम करदां रहदां है।


आज क्या तेरा बर्थडे है- जो मेरे को नहाने को कह रहा है!
बापू! ये आपका पहला कदम है अपने व्यक्तित्व की निखारने की तरफ!


और ये रहे आपके नये कपड़े - फाफट इन्हें पहन कर तैयार हो जाओ!
00


अब जल्दी से सूट-बूट पहन कर तैयार हो जाओ - आज आपको एक विशेष जगह जाना है।
ये तो बड़े ही अजीब तरह के कपड़े हैं मेरे लिये, पुत्तर कहां से उठा लाया इन्हें?

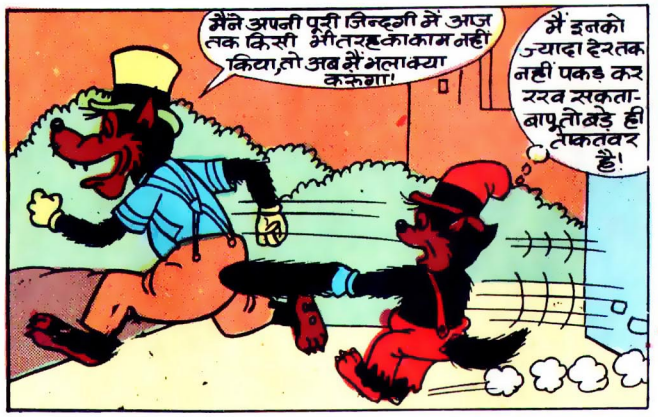

नई कमीज और टाई। पुत्तर तू तो मुझे अनिल कपूर बनाने में लगा है - भला एक विलेन हीरो वाले कपड़े कैसे पहन सकता है?
बापू अब इन्हें पहन भी लो ज्यादा नखरे मत करो - अगर तुम इन्हें पहन लोगे तो आज मैं तुम्हें बढ़िया लंच कराऊंगा!


तू मेरे को ब्लैकमेल कर रहा है लौंडे, ये अच्छी बात नहीं है आखिर तू मुझ से चाहता क्या है?
मैं आपको ब्लैकमेल करके सफलता की तरफ ले जाना चाहता हूं!

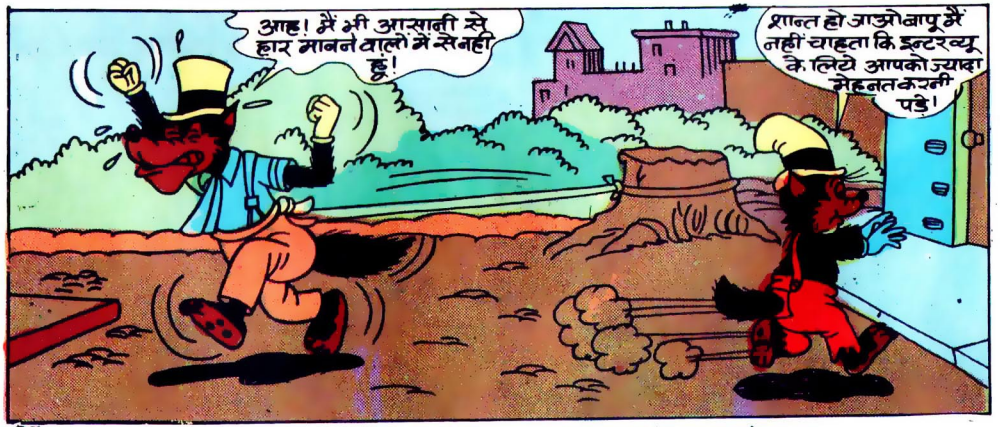

अब आप इस हालत में हैं कि आप अपने आपको किसी भी अच्छे आफिस में प्रस्तुत कर सके। कम-से कम अब आप एक शरीफ इन्सान तो लग रहे हैं!
किस तरह का इन्टरव्यू देना होगा मेरे को पुत्तर?
श्याम लाल एण्ड कं







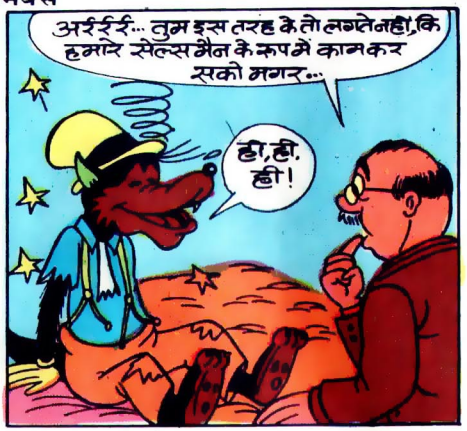




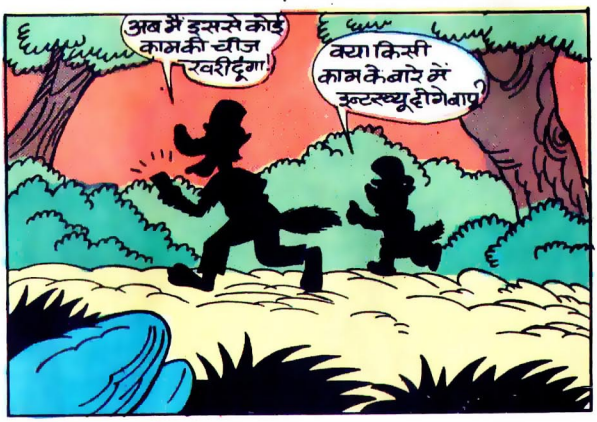
डायमंड कामिक्स में अमर चित्रकथा गिफ्ट पैक अपने

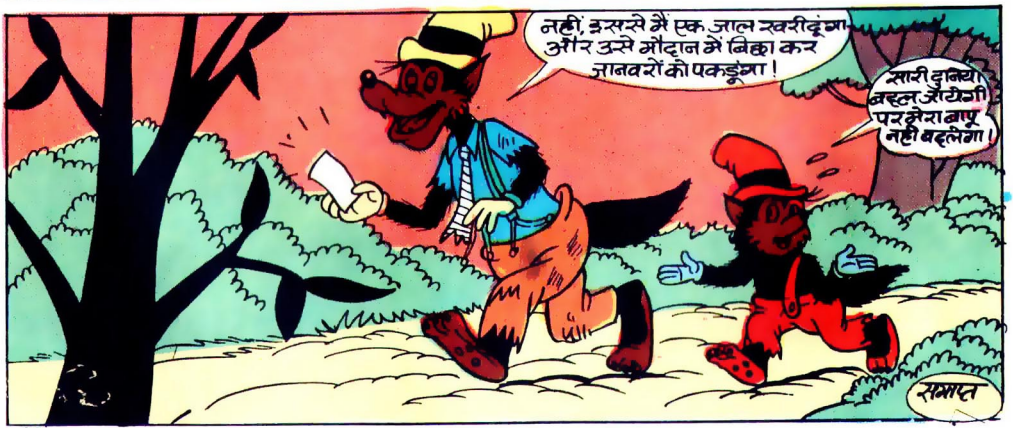

नमस्ते श्याम लाल जी! क्या आप मेरे बापू का इन्टरव्यू लेने का कष्ट करेंगे? वे बाहर हैं।
?
मैं इन्टरव्यू आफिस के अन्दर ही लेता हूं, मगर तुम प्रार्थना कर रहे हो तो चलो बाहर चलकर तुम्हारे बापू का इन्टरव्यू ले लेते हैं।
धन्यवाद!
चाSSSSहूँSSS
अरे वाह! तुम्हारे बापू ने तो पेड़ को वह तना उखाड़ फैंका जो अच्छे अच्छों से नहीं उखड़ पा रहा था!


बापू! भागना मत, श्याम-लालजी अब आपका इन्टरव्यू यहीं पर लेंगे।


अरे रे रे... तुम इस तरह के तो लगते नहीं, कि हमारे सेल्स मैन के रूप में काम कर सको मगर...
ही, ही, ही!


मैं तुम्हें ये पचास का नोट दे रहा हूं. तुमने वह बेकार तना उखाड़ कर हमारी जगह साफ कर दी।


अब मैं इससे कोई काम की चीज खरीदूंगा!
क्या किसी काम के बारे में इन्टरव्यू दोगे बापू?


नहीं, इससे मैं एक जाल खरीदूंगा और उसे मैदान में बिछा कर जानवरों को पकड़ूंगा!
सारी दुनिया बदल जाएगी पर देश का बापू नहीं बदलेगा।
समाप्त

PRESENTED BY:

@sdch_club

Join Us on Telegram for Your Favorite Comics and Much More Awesome Conent

CLICK TO JOIN

Hindi Comics:
t.me/comics_hindi

Comics Fan Group:
t.me/raj_comics_unofficial

Requested Movies:
t.me/requestadda

Short Videos:
t.me/video_short

Backup 1 **Backup 2**